बरवाला में सेवा सेतु शिविर में 312 पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण

पेज-8

संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला
बुधवार
7 अक्टूबर, 2026
वर्ष : 25 अंक : 104
कुल पृष्ठ : 08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

मोटी-मोटी बातें

गुजरात के भावनगर में खड़ी ट्रेलर गाड़ी से एसयूवी की टक्कर, सात लोगों की मौत

भावनगर। गुजरात के भावनगर जिले में मंगलवार को भावनगर-सोमनाथ नेशनल हाईवे के किनारे सर्विस रोड पर खड़ी एक ट्रेलर गाड़ी से एसयूवी के टकराने के कारण अलंग शिपब्रेकिंग यार्ड में काम पर जा रहे सात लोगों की मौत हो गई। यह हादसा सुबह करीब 10 बजे तलाजा तालुका के त्रापाज गांव के पास हुआ, जो अलंग पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है। पुलिस के अनुसार, एसयूवी भावनगर से अलंग की ओर जा रही थी, तभी वह सर्विस रोड पर खड़े ट्रेलर के पिछले हिस्से से टकरा गई।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) नितेश पांडे ने बताया कि छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य की इलाज के दौरान मौत हो गई।

उन्होंने आईएएनएस को बताया, 'ट्रेलर हाईवे की सर्विस रोड पर त्रापाज गांव के पास खड़ा था, तभी उसके पीछे आ रही बोलेरो उससे टकरा गई। छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य की इलाज के दौरान मौत हो गई।'

इस टक्कर से बोलेरो पूरी तरह से पिचक गई और ट्रेलर से टकराने के बाद उसका अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर की जोरदार ताकत ने खड़े ट्रेलर को भी आगे धकेल दिया।

जम्मू-कश्मीर सरकार का बड़ा फैसला, न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल हुई

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट की उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल कर दी है। कानून, न्याय और संसदीय मामलों के विभाग द्वारा जारी सरकारी आदेश के अनुसार, यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के पालन में लिया गया है। आदेश में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने 'ऑल इंडिया जजेज एसोसिएशन और अन्य' बनाम अन्य मामले (डब्ल्यू.पी.(सी) नंबर 1022/1989) और इससे जुड़े मामलों पर विचार करते हुए, 22 जुलाई 2026 और 5 अगस्त 2026 के आदेशों के जरिए राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया था कि वे 'संबंधित हाई कोर्ट के साथ सलाह-मशविरा करके न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट की उम्र 60 से बढ़ाकर 61/62 साल करने के बारे में फैसला लें।' कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया था कि जहां भी ऐसी बढ़ोतरी पर सहमति बनती है, वह 31 मार्च 2026 से लागू होगी। इसमें वे न्यायिक अधिकारी भी शामिल होंगे, जो उस तारीख को या उसके बाद रिटायर हुए हैं, बशर्ते सहमति हो और लागू होने वाली शर्तें पूरी की जाएं। आदेश में कहा गया, 'निर्देशों के पालन में, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट के साथ सलाह-मशविरा करके इस मामले पर विचार किया गया।' रजिस्ट्रार जनरल ने 30 जुलाई और 12 अगस्त के पत्रों के जरिए बताया कि फुल कोर्ट ने 10 अगस्त को हुई बैठक में रिटायरमेंट की उम्र 62 साल करने की सिफारिश करने का फैसला किया, बशर्ते अधिकारी 60 साल की उम्र के बाद भी काम जारी रखने के लिए फिट और योग्य पाए जाएं।

विश्व कप विजेता कप्तान हरमनप्रीत कौर ने छोड़ी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कमान

नयी दिल्ली: भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मंगलवार को तीनों प्रारूपों की कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया। 37 वर्षीय हरमनप्रीत की कप्तानी में भारत ने 2025 में पहली बार महिला वनडे विश्व कप का खिताब जीता था। उन्होंने कहा कि बतौर कप्तान अपनी जिम्मेदारी निभाने के बाद अब वह फिर से खेल के प्यार के लिए मैदान पर उतरने को तैयार हैं।

हरमनप्रीत ने इंस्टाग्राम पर जारी बयान में कहा, "आज मैं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीनों प्रारूपों की कप्तानी से इस्तीफा दे रही हूं। यह आसान फैसला नहीं है। इसमें वर्षों की यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल जुड़े हैं, जो जीवनभर मेरे साथ रहेंगे।"

हरमनप्रीत ने 2016 में भारतीय टी-20 टीम की कप्तानी संभाली थी। 2022 में उन्हें वनडे टीम की कप्तानी सौंपी गई और 2023 में वह तीनों प्रारूपों की कप्तान बनीं।

उनका कप्तानी छोड़ने का फैसला गुवाहाटी में हुई बीसीसीआई की समीक्षा बैठक के बाद आया। बैठक की अध्यक्षता बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने की। इसमें हरमनप्रीत के अलावा उपकप्तान स्मृति मंधाना और मुख्य कोच अमोल मजूमदार भी शामिल हुए।

चंडीगढ़ की मतदाता सूची में नाम नहीं है? 7 से 11 अक्तूबर तक ऐसे जुड़वा सकते हैं

चंडीगढ़- चंडीगढ़ में अगर आपका नाम मतदाता सूची में नहीं है, लेकिन आप मतदान के लिए पात्र हैं, तो नाम जुड़वाने का मौका है। प्रशासन की ओर से 7 से 11 अक्तूबर तक शहर के मतदान केंद्रों पर विशेष नामांकन शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। वे नए मतदाताओं के पंजीकरण के साथ मतदाता सूची से जुड़ी अन्य सेवाओं में भी मदद करेंगे।

विशेष अभियान के दौरान चंडीगढ़ के मतदान केंद्रों पर बीएलओ मौजूद रहेंगे। उनका काम केवल आवेदन लेना ही नहीं होगा, बल्कि पात्र नागरिकों को सही प्रक्रिया समझाना और जरूरी मतदाता सेवाओं में सहायता करना भी होगा।

राष्ट्रपति और राज्यपाल ने एम्स बिलासपुर के प्रथम स्नातक बैच को प्रदान की उपाधियां

● एम्स प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को सुदृढ़ करने में निभा रहा अहम भूमिका: राज्यपाल

हिन्द जनपथ
बिलासपुर (ब्यूरो)। भारत की राष्ट्रपति, द्रौपदी मुर्मु ने आज अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर के प्रथम दीक्षांत समारोह में संस्थान के पहले स्नातक बैच को उपाधियां प्रदान कीं। एम्स बिलासपुर की यह विकास यात्रा प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में इसके योगदान की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस अवसर पर राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता, मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन, एम्स बिलासपुर के अध्यक्ष प्रो. नरेंद्र कुमार अरोड़ा तथा कार्यकारी निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल दलजीत सिंह भी उपस्थित थे।

प्रथम स्नातक बैच एवं स्वर्ण पदक विजेताओं को बधाई देते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विद्यार्थियों, उनके माता-पिता, अभिभावकों और शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दीक्षांत समारोह एम्स बिलासपुर के विकास तथा चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और अनुसंधान के क्षेत्र में संस्थान की बढ़ती भूमिका की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

समारोह में कुल 92 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं, जिनमें 43 एमबीबीएस, 26 बीएससी ऑनर्स नर्सिंग, 9 बीएससी एलाइड हेल्थकेयर तथा 14 एमडी/एमएस के विद्यार्थी शामिल हैं। राष्ट्रपति ने विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किए। एमबीबीएस से सागरिका और रक्षित वशिष्ठ, बीएससी एलाइड हेल्थकेयर साइंस से भावना ठकराल, बीएससी ऑनर्स नर्सिंग से भाव्या मल्होत्रा तथा एमडी, कॉम्युनिटी एंड फैमिली मेडिसिन से प्रतीक गोयल को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने एम्स बिलासपुर के प्रथम दीक्षांत समारोह पर संस्थान को बधाई दी तथा स्नातक विद्यार्थियों और उनके माता-पिता को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति की गरिमामयी उपस्थिति ने इस ऐतिहासिक अवसर के महत्व और गरिमा को और बढ़ाया है। राज्यपाल ने हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं प्रतिबद्धता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एम्स बिलासपुर की स्थापना से प्रदेश को एक ऐसा प्रतिष्ठित संस्थान मिला है, जो अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को भी बढ़ावा दे रहा है।

उन्होंने कहा कि इस संस्थान से न केवल हिमाचल प्रदेश के लोगों को लाभ मिल रहा है, बल्कि पड़ोसी राज्यों तथा दूरदराज और जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। बिलासपुर में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता से पहाड़ी राज्य के लोगों के सामने लंबे समय से चली आ रही एक महत्वपूर्ण समस्या के समाधान में मदद मिल रही है।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को पुलिस ने हिरासत में लिया, 8 घंटे से चल रहा था प्रदर्शन

नई दिल्ली- कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा को पुलिस ने करीब आठ घंटे बाद धरना स्थल, आकाशवाणी भवन परिसर से हिरासत में ले लिया। चुनाव प्रणाली में कथित अनियमितताओं के मामले को लेकर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस के कई अन्य नेता आकाशवाणी परिसर में मंगलवार दोपहर से ही धरने पर बैठे थे।

पुलिस रात करीब आठ बजे राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस तथा कुछ सहयोगी दलों के नेताओं को हिरासत में लेकर उन्हें बस में बैठाकर ले गई। इससे पहले, विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के सांसदों ने मंगलवार को संसद मार्ग से निर्वाचन आयोग मुख्यालय तक मार्च निकाला। हालांकि पुलिस ने उन्हें बीच में ही रोक दिया और कई सांसदों तथा नेताओं को हिरासत में ले लिया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा निर्वाचन आयोग के कार्यालय पहुंचने की कोशिश में आकाशवाणी भवन परिसर में प्रवेश कर गए और एक पेड़ के नीचे बैठ गए थे। विपक्षी दलों की मांग है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाया जाए और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को रद्द किया जाए।

घाना पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर, कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर होगी बातचीत

अकरा। विदेश मंत्री एस जयशंकर मंगलवार को घाना की राजधानी अकरा पहुंचे। भारत और घाना के बीच व्यापक साझेदारी को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से जयशंकर दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने को लेकर महत्वपूर्ण वार्ता करेंगे। घाना पहुंचने के बाद जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, "आज अकरा, घाना पहुंचकर खुशी हुई। विदेश मंत्री सैम ओकुडजेतो अबलाक्वा द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत की सराहना करता हूं। व्यापक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए सार्थक बातचीत की उम्मीद है।" घाना के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा था कि जयशंकर की यात्रा दोनों देशों के बीच एकजुटता और साझा मूल्यों के मजबूत संबंधों को नए सिरे से आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी।

घाना के विदेश मंत्रालय के अनुसार, विदेश मंत्री जयशंकर 6 और 7 अक्टूबर को घाना के विदेश मंत्री सैमुअल ओकुडजेतो अबलाक्वा के निमंत्रण पर आधिकारिक यात्रा पर हैं। मंत्रालय ने कहा कि यह ऐतिहासिक यात्रा दोनों देशों को एकजुटता और साझा मूल्यों के अपने मजबूत संबंधों को और प्रगाढ़ करने का अवसर देगी।

यात्रा के दौरान दोनों पक्ष राष्ट्रपति जॉन द्रुमानी महामा की 'अकरा रीसेट' सोच के तहत फार्मास्युटिकल विकास के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा कृषि क्षेत्र में मशीनीकरण और वैल्यू एडिशन, औद्योगिकीकरण और रोजगार सृजन के एजेंडे को समर्थन देने तथा छात्रवृत्ति और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साझेदारी का विस्तार करने पर भी बातचीत होगी।

घाना के बाद जयशंकर कोटे डी आइवोर और इथियोपिया की यात्रा पर जाएंगे। उनकी यह पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा 6 से 10 अक्टूबर तक है।

धर्मयुद्ध मोर्चे के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से की मुलाकात, अमरजीत सिंह चावला के खिलाफ यौन शोषण मामले की जांच की मांग

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज गुरप्रीत सिंह खालसा के नेतृत्व वाले 'धर्म युद्ध मोर्चा' के प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार श्री आनंदपुर साहिब की दुखद घटना की तत्काल, पारदर्शी और गहन जांच सुनिश्चित करेगी। इसके लिए तत्काल विशेष जांच दल (एस.आई.टी.) का गठन किया जाएगा और दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह भरोसा सिख संस्थाओं द्वारा इस मामले की एस.आई.टी. जांच की मांग को लेकर बार-बार दिए गए ज्ञापनों के मद्देनजर दिया गया है।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लंबे समय से लंबित शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एस.जी.पी.सी.) के चुनाव बिना किसी अनावश्यक देरी के करवाने तथा समयबद्ध कार्रवाई और उचित कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से सिख पंथ से जुड़े सभी मामलों का समाधान करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "बटाला में चल रहे 'धर्म युद्ध मोर्चे' के नेता गुरप्रीत सिंह खालसा जी के साथ चंडीगढ़ में एक महत्वपूर्ण बैठक की। हमने सिख पंथ से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। हम यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के लंबे समय से लंबित चुनाव बिना किसी देरी के जल्द करवाए जाएं। श्री आनंदपुर साहिब में हुई दुखद घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मैंने भरोसा दिलाया कि इस मामले की गहन जांच के लिए तत्काल एस.आई.टी. गठित की जाएगी। जांच जल्द पूरी की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। हमारी सरकार सिख पंथ से जुड़े प्रत्येक मुद्दे का तत्काल और उचित समाधान तलाशने के लिए प्रतिबद्ध है।"

प्रतिनिधिमंडल द्वारा इस मामले में व्यक्त की गई चिंताओं का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से हो। कानून अपना काम करेगा और किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह किसी भी पद पर हो अथवा कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, न्याय की प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।"

उन्होंने कहा, "एस.आई.टी. के गठन से जांच में तेजी आएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जाए।"

प्रतिनिधिमंडल को कड़ी कार्रवाई का भरोसा देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "जांच पूरी होने के बाद दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।"

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवता के खिलाफ, विशेषकर एक महिला के खिलाफ, यह घिनौना अपराध श्री आनंदपुर साहिब की पवित्र धरती पर हुआ है। इस अपराध के दोषी को अनुकरणीय सजा सुनिश्चित की जाएगी।"

पंजाब CM के कैंप ऑफिस पर CBI रेड, ओएसडी के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज

चंडीगढ़- केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ मंगलवार को भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया। इसी के साथ सीबीआई ने मान के 'कैंप कार्यालय' सहित कई परिसर की तलाशी भी ली। सीबीआई ने यह कार्रवाई पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश के बाद की, जिसमें संघीय एजेंसी को यह कहते हुए मामले की जांच करने का निर्देश दिया गया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ED) की ओर से साझा की गई सामग्री से प्रथम दृष्टया आरोपियों के भ्रष्ट आचरण में शामिल होने का संकेत मिलता है। मान ने 'एक्स' पर पोस्ट कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। उन्होंने लिखा कि सीबीआई ने मेरे कैंप कार्यालय पर छापा मारा... अब पंजाब में ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग किया जाएगा, ताकि पंजाब सरकार और मुझे बदनाम किया जा सके। लोगों से मिल रहे प्यार को देखकर भाजपा घबरा गई है। हाईकोर्ट का आदेश वकील निखिल सराफ की ओर से दायर जनहित याचिका पर आया था, जिसमें उन्होंने ईडी की ओर से पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को लिखे पत्रों में उठाए गए मामले की स्वतंत्र जांच का अनुरोध किया गया था।

पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया चंडीगढ़ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हिमाचल प्रदेश प्रवास के लिए जाते समय भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी का स्वागत करते हुए।

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित होंगे वायु सेना के नए प्रमुख

नई दिल्ली: एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को भारतीय वायु सेना का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया है। वह मौजूदा वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का स्थान लेंगे। दीक्षित 31 अक्तूबर की दोपहर वायु सेना प्रमुख का कार्यभार संभालेंगे।

दीक्षित ने एक जुलाई 2026 को वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ का पद संभाला था। इससे पहले वह चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के पद पर कार्यरत थे। उन्हें 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायु सेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन किया गया था। करीब चार दशक के सेवा करियर में एयर मार्शल दीक्षित को मिराज-2000, मिग के विभिन्न संस्करणों, एचपीटी-32, एएन-32, एवरो, किरण, जगुआर, आईएल-78, हॉक और तेजस जैसे विमानों को उड़ाने का अनुभव है। वह एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट और क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर भी हैं। उनके पास 3,500 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है। वह ऑपरेशन सफेद सागर, ऑपरेशन रक्षक, कोप-इंडिया और ऑपरेशन सिंदूर सहित कई अभियानों और सैन्य अभ्यासों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। वायु सेना में स्वदेशी एलसीए तेजस और अन्य स्वदेशी विमान परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने सिंगापुर स्थित सुरबाना जुरोंग का किया दौरा

हरियाणा में प्रस्तावित नई औद्योगिक मॉडल टाउनशिप (IMT) के लिए आधुनिक व्यवस्थाओं का किया अध्ययन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सिंगापुर स्थित विश्व प्रसिद्ध शहरी विकास एवं अवसंरचना सुरबाना जुरोंग (Surbana Jurong) का दौरा किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य हरियाणा में विकसित की जा रही नई औद्योगिक मॉडल टाउनशिप (IMT) के लिए आधुनिक, एकीकृत और भविष्योन्मुखी व्यवस्थाओं को समझना तथा उनका अध्ययन करना था।

दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने अलग-अलग व्यावसायिक इकाइयों को एक ही स्थान पर एक साथ विकसित करने की संचालन प्रक्रिया का गहन अध्ययन किया। उन्होंने जल शोधन (वॉटर ट्रीटमेंट) से लेकर सुव्यवस्थित ट्रैफिक प्रबंधन तक की समस्त बारीकियों को विस्तार से समझा। साथ ही, व्यावसायिक इकाइयों के साथ-साथ मैनपावर के लिए व्यवस्थित, सुविधाजनक और बेहतर कार्य वातावरण तैयार करने संबंधी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि हरियाणा में उद्योगों के लिए सकारात्मक और निवेशक-अनुकूल माहौल तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है। इस दौरे का लक्ष्य राज्य में औद्योगिक विकास को नई दिशा देना तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक सुविधाओं से युक्त शहरों एवं औद्योगिक क्षेत्रों का विकास करना है।

सुरबाना जुरोंग के विशेषज्ञों के साथ चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने भविष्य के शहरों को विकसित करने तथा आधुनिक सुविधाओं के साथ सुदृढ़ व्यवस्था बनाने की प्रक्रिया को नजदीक से देखा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हरियाणा में प्रस्तावित IMT को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस किया जाएगा, जिससे न केवल उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

सेवा संकल्प अभियान: दिल्ली में आशा वर्करों का मानदेय दोगुना, नवजात की 56 जांच होंगी मुफ्त

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल टीएस संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी अहम पहल शुरू कीं। उन्होंने टेक्नोलॉजी और सहानुभूतिपूर्ण देखभाल के जरिए एक स्वस्थ 'विकसित दिल्ली' बनाने का वादा किया। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश में लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समावेशी विकसित भारत के विजन के अनुरूप, 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी अहम पहल शुरू करने के लिए त्यागराज स्टेडियम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह के साथ शामिल हुआ।' संधू ने कहा, 'हमारी फ्रंटलाइन आशा वर्करों की अहम भूमिका को देखते हुए उनका मासिक मानदेय 3,000 रुपए से बढ़ाकर 6,000 रुपए कर दिया गया है। साथ ही, नवजात शिशुओं की एडवांस्ड स्क्रीनिंग के लिए 'प्रोजेक्ट अनमोल', जीबी पंत अस्पताल में एक समर्पित 'स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन' (सोटो) सेंटर और नर्सिंग होम मैनेजमेंट के लिए एक पारदर्शी पोर्टल भी शुरू किया गया है। टेक्नोलॉजी, मजबूत पब्लिक हेल्थ सिस्टम और संवेदनशीलता के साथ देखभाल से ही हम एक स्वस्थ विकसित दिल्ली की दिशा में आगे बढ़ेंगे।'

इस कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश शेयर किया। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा, 'लेफ्टिनेंट गवर्नर तरनजीत सिंह संधू के साथ मिलकर आशा कॉन्फ्रेंस-2026 में दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने पर चर्चा हुई।'

शिक्षा और स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं: मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
बिलासपुर (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले स्नातक विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की कामना की।

भारत की राष्ट्रपति, द्रौपदी मुर्मु का हिमाचल प्रदेश में स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश न केवल देवभूमि है, बल्कि वीरभूमि भी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मंदिरों, लोक परंपराओं और सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत ने हिमाचल प्रदेश को एक विशिष्ट पहचान प्रदान की है।

उन्होंने कहा कि बिलासपुर के लोगों ने भी राष्ट्र निर्माण और विकास की कीमत के रूप में विस्थापन का दर्द सहा है। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की विकास की परिकल्पना के अनुरूप निर्मित भाखड़ा बांध केवल विकास और आर्थिक समृद्धि का प्रतीक ही नहीं है, बल्कि यह बिलासपुर के लोगों के त्याग और योगदान को भी दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साढ़े तीन वर्षों के दौरान शिक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। सरकार का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश के लोगों को राज्य के भीतर ही गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना है।

उन्होंने कहा कि एम्स दिल्ली की तर्ज पर प्रदेश में 3-टेस्ला एमआरआई, पैट स्कैन, उच्च क्षमता वाली एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड मशीनों सहित अत्याधुनिक डायग्नॉस्टिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं केवल शहरों तक सीमित न रहें, बल्कि दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं का पूरे प्रदेश में लगातार विस्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

श्री सुक्खू ने कहा कि प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में रोबोटिक सर्जरी शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि जो अत्याधुनिक उपचार पहले मुख्य रूप से महंगे निजी अस्पतालों में ही उपलब्ध थे, अब उन्हें सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में भी उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस पहल से विशेष रूप से आम जनता और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में पहले केवल 277 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (पीजी) मेडिकल सीटें थीं और राज्य सरकार अब इसमें 320 अतिरिक्त पीजी सीटें बढ़ाने के प्रयास कर रही है। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से सहयोग का आग्रह भी किया।

उन्होंने कहा कि राज्य में उत्तर भारत का पहला ऐसा कॉलेज भी शुरू किया गया है, जहां पैरामेडिकल और अलाइड पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए प्रशिक्षित तकनीकी मानव संसाधन तैयार करना है। इसके अतिरिक्त, एम्स की तर्ज पर एक आयुर्वेदिक अस्पताल स्थापित करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

श्री सुक्खू ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करना और प्रदेश के लोगों को आधुनिक उपचार की सुविधा उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।

निष्काम सेवा की सुगंध, समर्पण की आभा - 79वां वार्षिक संत समागम

हिन्द जनपथ
शिमला/दिल्ली। (ब्यूरो)। संत निरंकारी मिशन का 79वां वार्षिक संत समागम 23 से 26 अक्टूबर, 2026 तक समालखा स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर भव्यतापूर्वक आयोजित किया जायेगा, जहाँ हर कदम मानव कल्याण की राह पर बढ़ेगा, हर भाव समर्पण में ढलेगा और हर हृदय प्रेम की उस दिव्य ज्योति से आलोकित होगा, जो मानवता को एकत्व, सद्भाव और प्रभु-भक्ति के सूत्र में पिरोने का संदेश देती है।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में यह समागम प्रेम, सेवा, सद्भाव और मानव एकता की दिव्य भावना का संदेश देगा। इस पावन समागम की शुभ सूचना से श्रद्धालुओं के हृदय आनंद, उमंग और प्रभु-प्रेम की अनुपम अनुभूति से प्रफुल्लित हैं।

अंतर्मन में जब प्रभु का प्रकाश जागता है, तब जीवन की दिशा बदल जाती है। सेवा में समर्पण, सुमिरन में शांति और सत्संग में सत्य की अनुभूति होने लगती है। यही आत्मिक चेतना और ब्रह्मज्ञान मनुष्य को प्रेम और प्रभु-भक्ति के मार्ग पर अग्रसर करते हैं। इसी भीतर के प्रकाश और चेतना के नवजागरण की दिव्य अनुभूति से परिपूर्ण इस वर्ष का वार्षिक निरंकारी संत समागम श्रद्धालुओं के लिए एक अनुपम आध्यात्मिक यात्रा बनेगा, जिसका प्रेरणादायी विषय है - 'जागृति'। इस दिव्य उत्सव की तैयारियाँ श्रद्धा, समर्पण, लगन और निःस्वार्थ सेवा-भाव के साथ पूरे उत्साह से चल रही हैं।

एसटीएफ बहादुरगढ़ की बड़ी कार्रवाई, संगठित गिरोह के तीन सक्रिय आरोपी गिरफ्तार

तीन अवैध पिस्तौल, 39 जिंदा कारतूस और टाटा सफारी बरामद

हिन्द जनपथ
बहादुरगढ़(ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने अवैध हथियारों की तस्करी एवं आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। एसटीएफ बहादुरगढ़ टीम ने तीन सक्रिय आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन अवैध पिस्तौल, 39 जिंदा कारतूस और एक टाटा सफारी बरामद की है।

यह कार्रवाई 05/06 अक्टूबर 2026 की मध्यरात्रि के दौरान की गई। एसटीएफ टीम ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को काबू किया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से दो देशी पिस्तौल .32 बोर, एक जिगाना पिस्तौल .30 बोर तथा 39 जिंदा कारतूस बरामद हुए। इसके अलावा काले रंग की टाटा सफारी, जिस पर अस्थायी रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित है, भी बरामद की गई।

प्रारंभिक पूछताछ एवं जांच में सामने आया है कि आरोपी संगठित गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं और हथियारों को अन्य व्यक्तियों तक पहुंचाने का काम भी करते हैं। एसटीएफ द्वारा अब यह पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं कि बरामद हथियार कहां से प्राप्त किए गए थे और इन्हें आगे किन व्यक्तियों तक पहुंचाया जाना था।

पुलिस जांच का दायरा बढ़ाते हुए आरोपियों के हथियार सप्लायरों, संभावित खरीदारों और अन्य सहयोगियों की पहचान की जा रही है। साथ ही, आरोपियों की पूर्व आपराधिक गतिविधियों तथा अन्य आपराधिक मामलों में उनकी संभावित संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इस संबंध में थाना सदर बहादुरगढ़, जिला झज्जर में मामला दर्ज किया गया है।

राजेश कुमार सिंह ने एनएचपीसी के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) का अतिरिक्त कार्यभार संभाला

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। श्री राजेश कुमार सिंह, आईआरएसएस (2002) ने दिनांक 06 अक्तूबर 2026 को एनएचपीसी लिमिटेड, भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनी एवं भारत सरकार का एक 'नवरत्न' उद्यम, के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया। श्री सिंह को सीवीओ, एनएचपीसी का अतिरिक्त कार्यभार पदभार ग्रहण करने की तिथि से छह माह की अवधि के लिए अथवा नियमित सीवीओ की नियुक्ति होने तक अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, सौंपा गया है।

श्री राजेश कुमार सिंह वर्तमान में पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन में मुख्य सतर्कता अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने आईआईटी रुड़की से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन में बी.टेक. तथा आईआईटी (बीएचयू), वाराणसी से कम्युनिकेशन सिस्टम्स में एम.टेक. किया है। उन्होंने सिंगापुर, मलेशिया और चीन में सीनियर लीडरशिप प्रोग्राम भी पूरा किया है।

भारतीय रेलवे में 24 वर्षों से अधिक के अनुभव के दौरान श्री सिंह ने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। इनमें पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी मंडल में अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) तथा मॉडर्न कोच फैक्ट्री, रायबरेली में मुख्य सामग्री प्रबंधक का पद शामिल है, जहाँ वे खरीद संबंधी कार्यों की देखरेख के लिए जिम्मेदार रहे।

अपने सेवाकाल के दौरान श्री सिंह ने क्रय, सतर्कता, सूचना प्रौद्योगिकी और सामग्री प्रबंधन के क्षेत्र में व्यापक अनुभव प्राप्त किया है, साथ ही विभिन्न क्रॉस-फंक्शनल टीमों का प्रबंधन भी किया है। अपने बहु-विषयक दायित्वों के माध्यम से, उन्होंने परिचालन सत्यनिष्ठा के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है तथा सार्वजनिक सेवा में पारदर्शिता, नवाचार और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने में योगदान दिया है।

हिमाचल के पीएम श्री स्कूलों के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने किया गुजरात का शैक्षणिक भ्रमण

शिमला- समग्र शिक्षा की ओर से हिमाचल के पीएम श्री स्कूलों के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए गुजरात का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। एक भारत श्रेष्ठ भारत (EBSB) के तहत छात्र-शिक्षक आदान-प्रदान कार्यक्रम (Student-Teacher Exchange Programme) के अंतर्गत आयोजित इस पांच दिवसीय भ्रमण में हिमाचल के शिमला, सिरमौर, ऊना, किन्नौर और सोलन जिलों के पीएम श्री स्कूलों के शिक्षक और विद्यार्थी शामिल हुए। इस भ्रमण के लिए अकादमिक उपलब्धियों, एनसीसी और एक भारत श्रेष्ठ भारत से जुड़ी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों का चयन किया गया था। दल का नेतृत्व समग्र शिक्षा की EBSB नोडल अधिकारी वर्षा सूद, रंजना चौहान तथा नंदिनी कंवर ने किया।

विद्यार्थियों और शिक्षकों ने गुजरात के विभिन्न ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और विरासत स्थलों का भ्रमण किया। इन स्थलों की यात्रा ने विद्यार्थियों को पुस्तकों में पढ़े इतिहास और संस्कृति को करीब से देखने तथा समझने का अवसर प्रदान किया।

हिमाचल के दल ने गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर (केवड़िया) में नर्मदा नदी के साधु बेट नामक द्वीप पर स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का भ्रमण किया।

मनमोहन शर्मा ने त्यौहारों के दृष्टिगत खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित बनाने के दिए निर्देश

हिन्द जनपथ
सोलन(ब्यूरो)। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को निर्देश दिए कि त्यौहारों के दृष्टिगत विभिन्न खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित बनाने के लिए योजनाबद्ध कार्य किया जाए। मनमोहन शर्मा आज यहां ज़िला स्तरीय सार्वजनिक वितरण समिति तथा ज़िला स्तरीय सतर्कता समिति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की गहन जांच सुनिश्चित बनाई जानी चाहिए। त्यौहारों से पूर्व ज़िला में मिठाइयों व अन्य खाद्य पदार्थों की जांच करना आवश्यक है ताकि लोगों तक स्वच्छ खाद्य पदार्थ पहुंच सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि ज़िला के विभिन्न स्थानों पर जांच करने के लिए कर्मचारियों को तैनात करना सुनिश्चित बनाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्यौहार के समय राशन की समुचित उपलब्धता भी सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि ज़िला में वर्तमान में 354 उचित मूल्य की दुकानें हैं। इनमें 211 सहकारी सभाएं, 133 व्यक्तिगत, 04 महिला मण्डल तथा 06 ग्राम पंचायत द्वारा संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि जुलाई, 2026 से सितम्बर, 2026 तक उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से विभिन्न श्रेणियों के उपभोक्ताओं को लगभग 5818 क्विंटल चीनी, लगभग 33358 क्विंटल चावल, लगभग 52067 क्विंटल गन्दम आटा, लगभग 610 क्विंटल दालें, लगभग 1494 क्विंटल नमक तथा 601261 लीटर खाद्यान्न तेल वितरित किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान ज़िला सोलन में 1711 दुकानों का निरीक्षण किया गया है तथा 53 नमूने एकत्रित किए गए हैं।

उपायुक्त ने कहा कि ज़िला सोलन में 20 गैस एजैंसियां कार्यरत हैं। इनके पास कुल 205892 एल.पी.जी. उपभोक्ता पंजीकृत हैं।

उन्होंने सभी गैस एजैंसियों को समय-समय पर रूट चार्ट अधिसूचित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को समय-समय पर सिलेंडरों के भार का निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए।

स्वस्थ बच्चे ही स्वस्थ समाज और मजबूत राष्ट्र की आधारशिला: हेमराज बैरवा

हिन्द जनपथ
धर्मशाला(ब्यूरो)। बच्चों में कुपोषण की रोकथाम तथा उनके समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला प्रशासन कांगड़ा के सहयोग से रक्कड़ (धर्मशाला) से 'मिशन भरपूर 2.0' का शुभारंभ किया गया। उपायुक्त ने कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि भाग लिया और मिशन भरपूर का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने कहा कि हमारा विश्वास है कि स्वस्थ बच्चे ही स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और मजबूत राष्ट्र की आधारशिला हैं। आज के नौनिहाल ही देश की आने वाली पीढ़ी हैं और यदि उन्हें बचपन से ही उचित पोषण, स्वास्थ्य और बेहतर वातावरण मिले, तो वे आगे चलकर समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे।

बच्चों का पोषण केवल सरकार या किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक माता-पिता और परिवार की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली और एकल परिवारों की बढ़ती संख्या के कारण कई बार बच्चों को वह समय और व्यक्तिगत ध्यान नहीं मिल पाता, जो उनके समुचित विकास के लिए आवश्यक है। ऐसे में वैज्ञानिक अनुसंधान और पारंपरिक पोषण पद्धतियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि 'मिशन भरपूर' इसी दिशा में एक अभिनव पहल है, जिसके तहत बच्चों को स्वादिष्ट एवं पोषणयुक्त सप्लीमेंट्री उत्पाद उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये उत्पाद बच्चों के मुख्य भोजन का विकल्प नहीं, बल्कि पूरक आहार हैं। बच्चों को घर पर संतुलित एवं पौष्टिक भोजन देने के साथ इन उत्पादों का निर्धारित तरीके से उपयोग किया जाना चाहिए।

उपायुक्त ने अभिभावकों से बच्चों को पर्याप्त समय देने और मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग को कम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ खेलना, बातचीत करना, उन्हें बाहर घुमाना और उनकी गतिविधियों पर ध्यान देना उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पुरस्कार राशि में ऐतिहासिक वृद्धि कर खिलाड़ियों का बढ़ाया सम्मान: केवल सिंह पठानिया

शाहपुरः राजकीय महाविद्यालय शाहपुर में आयोजित एचपीयू इंटर कॉलेज फुटबॉल चौंपियनशिप के समापन समारोह में आज शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

उल्लेखनीय है कि केवल सिंह पठानिया सोमवार देर रात करीब तीन बजे जापान से एशियन गेम्स से वापस प्रदेश लौटे और आज सुबह खिलाड़ियों के बीच पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर केवल सिंह पठानिया ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने तथा हिमाचल प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। सरकार का उद्देश्य युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित करना और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बेहतर सुविधाएं एवं प्रोत्साहन उपलब्ध करवाना है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की है। ओलंपिक, शीतकालीन ओलंपिक एवं पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि 3 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये, रजत पदक के लिए 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ रुपये तथा कांस्य पदक के लिए 1 करोड़ से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये की गई है।

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय में हुईं पदोन्नतियाँ, संजय कुमार बने उप-सचिव

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)।आज दिनांक 6 अक्तूबर, 2026 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय में पदोन्नतियाँ हुई जिसमें संजय कुमार, अवर सचिव से उप-सचिव के पद पर, धर्म पाल, अनुभाग अधिकारी से अवर सचिव के पद पर, विनोद कुमार अधीक्षक ग्रेड-॥ से अनुभाग अधिकारी के पद पर तथा गोपाल शर्मा अन्वेषण सहायक से अधीक्षक ग्रेड-॥ के पद पर पदोन्नत हुए।

विधान सभा सचिवालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इन सभी अधिकारियों को पदोन्नत होने पर बधाई दी है। पदोन्नत हुए इन सभी अधिकारियों ने इसके लिए विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां का विशेष रूप से आभार प्रकट किया है।

HIMACHAL PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT
Tel. No. 01799-221023, e-mail ee-raj-hp@nic.in

e-Procurement Notice
INVITATION FOR BIDS (IFB)

The **Executive Engineer HPPWD Rajgarh Distt Sirmour H.P** on behalf of Governor of H.P invites percentage rate, bids, in electronic tendering system, from the eligible class of contractor/Firms registered with HPPWD for the works as detailed in the tables.

Sr. No.	Name of Work	Estimated Cost (Rs)	Starting date for downloading Bid	Earnest money	Deadline for submission bid
1	Restoration of rain damages on Churwadhar Gadol Pirag road Km 0/0 to 10/750 (SH:- P/L WBM G-III & BC , C/O PCC V-shape drain in Km 5/00 to 10/750). Under PDNA 2023	1,16,89,749/-	07.10.2026	2,34,000/-	14.10.2026

The Bidders are advised to note other details for tenders from the department website **www.hptenders.gov.in.**

Executive Engineer
HPPWD Division Rajgarh
Distt Sirmour HP
on behalf of Governor of Himachal Pradesh

R.No.3932/2026-2027

न्यूज डायरी

मनमोहन शर्मा ने किया राकेश शर्मा की पहाड़ी एल्बम 'पहाड़ा री शान' का विमोचन

हिन्द जनपथ
सोलन(ब्यूरो)। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने आज यहां पहाड़ी गायक राकेश शर्मा की नई पहाड़ी एल्बम 'पहाड़ा री शान' का विमोचन किया।

मनमोहन शर्मा ने इस अवसर पर गायक को बधाई देते हुए आशा जताई कि यह एलबम विशुद्ध पहाड़ी संस्कृति और लोक परम्पराओं के प्रचार एवं प्रसार में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल की लोक-लुभावन संस्कृति को समूचे विश्व में जाना जाता है।

एलबम के गायक राकेश शर्मा ने अवगत करवाया कि इस एल्बम में कुल 06 गीत है और यह नए एवं पुराने गीतों का मिश्रण है।

कबड्डी की स्वर्ण पदक विजेता ऋतु नेगी से सौतेला व्यवहार क्यों कर रही सुक्खू सरकार : बलदेव तोमर

हिन्द जनपथ
नाहन (ब्यूरो)। भाजपा प्रवक्ता एवं शिलाई के पूर्व विधायक बलदेव तोमर ने 20वें एशियाई खेलों में भारतीय महिला कबड्डी टीम की स्वर्ण पदक विजेता हिमाचली खिलाड़ियों को एक-एक करोड़ रुपये देने की मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की घोषणा का स्वागत करते हुए सरकार से पूछा है कि शिलाई की बेटी और भारतीय महिला कबड्डी टीम की कप्तान रही ऋतु नेगी के साथ सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है।

बलदेव तोमर ने कहा कि ऋतु नेगी ने भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और हिमाचल का नाम रोशन किया है। वह शिलाई की बेटी हैं और हिमाचल की उन बेटियों में शामिल हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर देश को गौरवान्वित किया। ऐसे में जब सरकार कबड्डी में हिमाचली खिलाड़ियों की उपलब्धि के लिए एक-एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि देने की घोषणा कर रही है, तो ऋतु नेगी को इस सम्मान से बाहर रखना सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करता है।

उन्होंने कहा कि किसी खिलाड़ी की शादी हरियाणा में हो जाने से उसकी हिमाचली पहचान और प्रदेश के प्रति उसका योगदान समाप्त नहीं हो जाता। जब बात देश के लिए पदक जीतने और हिमाचल का नाम रोशन करने की आती है, तब ऋतु नेगी शिलाई और हिमाचल की बेटी हैं। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उन्हें पुरस्कार और सम्मान के मामले में क्यों दरकिनार किया गया।

बलदेव तोमर ने कहा कि खिलाड़ियों के सम्मान में किसी भी प्रकार का राजनीतिक भेदभाव नहीं होना चाहिए। सरकार को बताना चाहिए कि ऋतु नेगी की उपलब्धियों को किस आधार पर अलग रखा गया है। यदि अन्य स्वर्ण पदक विजेता हिमाचली खिलाड़ियों को एक-एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि दी जा रही है, तो ऋतु नेगी के योगदान को नजरअंदाज करने का कारण भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

पाइसा से बणे दी हट्टी सड़क मार्ग 6 नवंबर तक रहेगा बंद

हिन्द जनपथ
धर्मशाला(ब्यूरो)। जिला दंडाधिकारी कांगड़ा हेमराज बैरवा ने अधिसूचना जारी करते हुए खबली-दोसड़का से बणे दी हट्टी तक के सड़कमार्ग पर सीसी पेवमेंट के कार्य के कारण पाइसा से बणे दी हट्टी तक सड़क को सभी प्रकार के वाहनों के लिए 6 नवम्बर तक बन्द करने के आदेश दिये हैं। इस अवधि के दौरान यातायात के लिए पाइसा से भट्ठा सड़कमार्ग को वैकल्पिक सड़कमार्ग के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। जबकि एम्बुलेंस, अग्निशमन तथा अन्य आपातकालीन वाहनों का निकलना यदि संभव हो, प्रतिबंध से छूट रहेगी।

दूसरी सांस्कृतिक संध्या में पहाड़ी नाटियों पर झूमा ठोडो मैदान

हिन्द जनपथ
सोलन(ब्यूरो)। 22वें हिमाचल उत्सव की दूसरी सांस्कृतिक संध्या में हिमाचली लोकसंगीत और युवा प्रतिभाओं का शानदार संगम देखने को मिला। पहाड़ी गायक जूनियर कुलदीप शर्मा सुरेश शर्मा ने अपनी लोकप्रिय नाटियों से ठोडो मैदान में मौजूद दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। सुरेश शर्मा की प्रस्तुतियों पर पंडाल तालियों और उत्साह से गूंज उठा।

संध्या की शुरुआत उभरते गायक बंसी बॉबी और शिमला के गायक नितिन कौशल की प्रस्तुतियों से हुई, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। इसके अलावा रोहड़ू की गायिका दीक्षिता ब्रागटा, किरण शर्मा और सोलन की गायिका ज्योति शर्मा ने भी अपनी शानदार प्रस्तुतियों से खूब तालियां बटोरीं। कलाकार संतोष खत्री, देवराज शर्मा और प्रताप ठाकुर ने भी अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

पारंपरिक नृत्य में दिखी हिमाचली संस्कृति की झलक

दूसरी सांस्कृतिक संध्या का विशेष आकर्षण स्कूली बच्चों की पारंपरिक नृत्य प्रतियोगिता रही। विभिन्न स्कूलों के नन्हे कलाकारों ने हिमाचली लोक संस्कृति और पारंपरिक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। प्रतियोगिता में बीएल सेंट्रल पब्लिक स्कूल, दयानंद आदर्श विद्यालय, सोलन पब्लिक स्कूल, नटखट स्कूल, गीता आदर्श विद्यालय और यूरो किड्स सहित विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में जानी-मानी रंगकर्मी कुमारी सुनीता शर्मा और श्रीमती मंजू भारद्वाज मौजूद रहीं। इसके साथ ही हिमाचल आइडल संगीत प्रतियोगिता के पहले राउंड में भी प्रतिभागियों ने अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस राउंड में सोनू भारद्वाज और मुकेश शर्मा एडवोकेट ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

RNI NO. HARHIN/2002/08034, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25, हिन्द जनपथ के लिए स्वामी, सम्पादक एवं प्रकाशक एकान्ति रॉय गर्ग द्वारा बूथ नंबर 437-पी, सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित एवं इम्प्रैशन प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र पंचकूला होगा। Mob. 9915606900 email: hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com

न्यूज डायरी

'युद्ध नशों विरुद्ध': राज्य स्तरीय तलाशी अभियान के दौरान 274 हॉटस्पॉट पर छापेमारी; 386 काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर पंजाब में नशों को जड़ से खत्म करने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों के तहत पंजाब पुलिस ने 'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान के अंतर्गत राज्यभर में चिन्हित 274 हॉटस्पॉट (नशीले पदार्थों की बिक्री वाले स्थानों) पर 'घेराबंदी एवं तलाशी अभियान' (कासो) चलाया।

यह तलाशी अभियान पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव के दिशा-निर्देशों पर राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक साथ चलाया गया।

इस दौरान पुलिस टीमों ने 233 एफआईआर दर्ज कर 386 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पुलिस टीमों ने गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 4.1 किलोग्राम हेरोइन, 1.4 किलोग्राम अफीम, 4 किलोग्राम पोस्त की भूसी, 4237 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 5500 रुपये की ड्रग मनी भी बरामद की।

इस अभियान की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहे विशेष डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) प्रवीण सिन्हा ने बताया कि 1 मार्च, 2025 को शुरू किए गए 'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान के परिणामस्वरूप राज्यभर में 64598 एफआईआर दर्ज कर 82739 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 4198 किलोग्राम हेरोइन, 1009 किलोग्राम अफीम, 481 क्विंटल पोस्त की भूसी, 1750 किलोग्राम गांजा, 65.85 लाख नशीली गोलियां/कैप्सूल, 78 किलोग्राम 'आईसीई' तथा 22.58 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

इस बीच, 'गैंगस्टरां ते वार' अभियान के 259वें दिन पुलिस टीमों ने चार हथियारों सहित 260 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही अभियान की शुरुआत से अब तक गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या 76590 हो गई है। इसके अलावा 229 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 12 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। पुलिस टीमों ने इस अभियान के दौरान तीन भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है।

मान सरकार द्वारा मत्स्य पालन क्षेत्र को बढ़ावा: गुरमीत सिंह खुड्डियां ने नवनियुक्त कर्मचारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के कृषि एवं सहायक व्यवसायों को और मजबूत करने की दिशा में लगातार किए जा रहे प्रयासों के तहत राज्य के पशुपालन, डेयरी विकास एवं मत्स्य पालन मंत्री स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने आज मत्स्य पालन विभाग में नवनियुक्त दो उम्मीदवारों, जिनमें एक मल्टीपरपज फिशरीज स्किल्ड वर्कर और एक फिशरमैन (मछली पालक) शामिल है, को नियुक्ति पत्र सौंपे। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि ये नियुक्तियां उस निरंतर भर्ती अभियान का हिस्सा हैं, जिसके तहत मत्स्य पालन विभाग में वर्ष 2022 से अब तक 55 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भर्ती की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इससे विभाग की प्रशासनिक, तकनीकी एवं कार्यकारी क्षमता में काफी वृद्धि हुई है। यह कदम मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की मत्स्य पालन क्षेत्र को बढ़ावा देने तथा पंजाब भर के मछली पालकों को पूर्ण सहयोग प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नवनियुक्त कर्मचारियों को बधाई देते हुए स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा, 'वर्ष 2022 से लगातार जारी भर्ती अभियान के तहत आज ये नियुक्ति पत्र सौंपे गए हैं, जो मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की मत्स्य पालन विभाग के आधुनिकीकरण और सुदृढ़ीकरण के प्रति ठोस प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन अधिकारियों से लेकर तकनीकी अमले और कुशल कामगारों तक विभिन्न कैडरों में योग्य युवाओं को शामिल करके हम न केवल विभागीय कामकाज को सुचारू बना रहे हैं, बल्कि अपने मछली पालकों को बेहतर सेवाएं और तकनीकी सहायता उपलब्ध करवाना भी सुनिश्चित कर रहे हैं।'

मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है धान की खरीद और उठान का कार्य

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। जिला में खरीफ सीजन 2026-27 के दौरान सरकारी खरीद एजंसियों द्वारा धान की खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। अब तब जिला में 4249 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। वही 336 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि खरीफ सीजन 2026-27 में जिला में दो सरकारी खरीद एजंसियों- हैफेड तथा हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन द्वारा धान की खरीद की जा रही है। उन्होने बताया कि हैफेड द्वारा पंचकूला अनाज मंडी में 62 मीट्रिक टन, बरवाला में 1996 मीट्रिक टन और रायपुररानी में 636 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है।इसी प्रकार हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा बरवाला में 846 मीट्रिक टन और रायपुररानी में 709 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई।

भगवंत मान सरकार राज्यवासियों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धः हरदीप सिंह मुंडियां

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी अगुवाई में पंजाब सरकार राज्यभर के लोगों को स्वच्छ एवं पीने योग्य पानी उपलब्ध करवाने के लिए अपने प्रयासों का दायरा लगातार बढ़ा रही है। इसी प्रतिबद्धता के तहत पंजाब के जल आपूर्ति एवं सैनिटेशन मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने 267 करोड़ रुपये की लागत वाली नहर आधारित बहुउद्देशीय जलापूर्ति योजना का उद्घाटन किया। यह नहर आधारित परियोजना सीमावर्ती ज़िले अमृतसर के करीब 3 लाख लोगों तथा 167 गांवों के 45,000 से अधिक घरों को स्वच्छ एवं पीने योग्य पानी उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करेगी।

यह योजना भूजल पर निर्भरता कम करने तथा नहर आधारित जलापूर्ति प्रणालियों के माध्यम से स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

परियोजना की शुरुआत के बाद सभा को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री ने बताया कि नहर के पानी को उपचारित कर पीने योग्य बनाने के लिए 39 एम.एल.डी. क्षमता वाला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट अपर बारी दोआब नहर की लाहौर ब्रांच पर कंदोवाली और मज्जूपुरा में स्थापित किया गया है। इसके अलावा 285.97 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जा रही है तथा गांवों में 20 पानी की टंकियां बनाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना पर 266.95 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे सीमावर्ती क्षेत्रों के अजनाला, मजीठा, हरशा छीना और चौगावां ब्लॉकों के 167 गांव कवर होंगे। योजना के तहत अजनाला ब्लॉक के 101, हरशा छीना के 56, मजीठा के 9 और चौगावां का 1 गांव शामिल होगा। नहर का पानी पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से संबंधित गांवों तक पहुंचाया जाएगा और योजना के माध्यम से करीब 45,343 घरों में रहने वाले 2,85,994 ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति उपलब्ध करवाई जाएगी।

स. हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य भूजल पर निर्भरता कम करके लोगों को नहर आधारित स्वच्छ, शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध करवाना है।

स. मुंडियां ने कहा कि यह परियोजना ग्रामीण लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने के साथ-साथ पानी से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नहर के पानी की आपूर्ति उपलब्ध होने से ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल मिलेगा और स्वस्थ एवं बेहतर जीवन के लिए मज़बूत आधार तैयार होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्यवासियों को पीने के लिए स्वच्छ एवं शुद्ध पानी उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर विधायक अजनाला स. कुलदीप सिंह धालीवाल ने नहर आधारित बहुउद्देशीय जलापूर्ति योजना शुरू करने के लिए पंजाब सरकार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को पीने के लिए स्वच्छ एवं शुद्ध पानी मिलेगा। उन्होंने इस परियोजना को रिकॉर्ड समय में पूरा करने के लिए जल आपूर्ति मंत्री तथा विभाग के समस्त अधिकारियों का भी धन्यवाद किया।

नमो सेवा अनकही कहानियां के तहत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनसेवा और राष्ट्रनिर्माण का दिया संदेश

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। 'नमो सेवा अनकही कहानियां' अभियान के तहत मंगलवार को राजकीय हाई स्कूल नूरवाला, पानीपत में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सामाजिक सरोकार, जनसेवा, राष्ट्रहित और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का प्रभावशाली संदेश दिया गया।

शिक्षा मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान कलाकारों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक का अवलोकन किया और उनकी प्रस्तुति की सराहना की। उन्होंने कहा कि नुक्कड़ नाटक जैसे सशक्त माध्यम समाज के बीच सीधे संवाद स्थापित करते हैं तथा जटिल विषयों को भी सरल एवं प्रभावी तरीके से आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सेवा, सुशासन और जनकल्याण को केंद्र में रखकर अनेक जनहितकारी कार्य किए जा रहे हैं। 'नमो सेवा अनकही कहानियां' के माध्यम से ऐसे कार्यों और उनसे जुड़े सकारात्मक बदलावों को रचनात्मक माध्यम से आमजन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोडऩा समय की आवश्यकता है। कला, संस्कृति और नुक्कड़ नाटक जैसे माध्यम विद्यार्थियों एवं आमजन में सामाजिक जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा भी देते हैं।

30,000 रुपये रिश्वत लेते हुए सब-डिविजनल इंजीनियर को विजिलेंस ब्यूरो ने किया काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान, जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग, कपूरथला में तैनात सब-डिविजनल इंजीनियर (एस.डी.ई.) अगमजोत सिंह को 1,25,000 रुपये की रिश्वत मांगने और पहली किस्त के तौर पर 30,000 रुपये लेते हुए रंगे हाथों काबू किया गया है।

यहां आज यह जानकारी साझा करते हुए प्रदेश विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी अधिकारी को जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग, सब-डिविजन नंबर 2, कपूरथला में तैनात एक सब-डिविजनल क्लर्क द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता का तबादला आरोपी एस.डी.ई. अगमजोत सिंह द्वारा 5 अक्टूबर 2026 को गांव चक्कोकी, जिला कपूरथला की जल आपूर्ति योजना में कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि शिकायतकर्ता का घर तैनाती वाली जगह से काफी दूर था, इसलिए उसने आरोपी अगमजोत सिंह से अपना तबादला रद्द करने या रोकने के लिए मौखिक बिनती की।

इसके बाद शिकायतकर्ता के साथी कर्मचारी और फिटर हेल्पर अमरिंदर सिंह ने उसे बताया कि अगमजोत सिंह ने तबादला रोकने के लिए रिश्वत की मांग की है। बाद में, अमरिंदर सिंह ने अगमजोत सिंह से फोन पर संपर्क किया, जिसने 1,25,000 रुपये की मांग की, जो किस्तों में दिए जाने थे। प्रवक्ता ने बताया कि गैरकानूनी रकम की मांग के बारे में बातचीत अमरिंदर सिंह ने अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर ली थी।

रिश्वत देने से इनकार करने वाले शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो रेंज जालंधर से संपर्क किया। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने दोषी सब-डिविजनल इंजीनियर अगमजोत सिंह को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 30,000 रुपये रिश्वत की पहली किस्त लेते हुए रंगे हाथों काबू कर लिया और रिश्वत की रकम (30,000 रुपये) बरामद कर ली गई है।

इस संबंध में आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के जालंधर रेंज थाने में भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है और मामले की आगे की जांच चल रही है।

बंदी सिंघों की रिहाई के लिए पंजाब सरकार उठाएगी सभी कानूनी और संवैधानिक कदम: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जोर देकर कहा कि जेलों में कैद बंदी सिंघों के लंबे समय से लटकते आ रहे मसले को अनिश्चित काल तक लटकता नहीं रहने दिया जा सकता। उन्होंने बंदी सिंघ इंसाफ मोर्चे द्वारा बनाई गई चार सदस्यीय कमेटी को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार इसके जल्द समाधान के लिए हर संभव कानूनी और संवैधानिक कदम उठाएगी। गुरदीप सिंह बठिंडा, एडवोकेट जसपाल सिंह मंझपुर, पाल सिंह फ्रांस और बलविंदर पाल सिंह पर आधारित कमेटी के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जो जायज कदम कई साल पहले उठाए जाने चाहिए थे, लेकिन नहीं उठाए गए, उन्हें अब प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि पंजाब सरकार न्याय के पक्ष में दृढ़ता से खड़ी है।

अपने एक्स हैंडल पर जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'बंदी सिंघों की रिहाई को लेकर बनी चार सदस्यीय कमेटी, जिसमें स. गुरदीप सिंह बठिंडा, एडवोकेट जसपाल सिंह मंझपुर, स. पाल सिंह फ्रांस और स. बलविंदर पाल सिंह शामिल थे, के साथ अहम बैठक की। कमेटी सदस्यों के विचार और मांगों को बड़े ध्यान से सुना। मैंने कमेटी को भरोसा दिलाया कि पंजाब सरकार इस मसले के जल्दी से जल्दी उचित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।' उन्होंने कहा कि जो जायज और कानूनी कदम पिछली सरकारों ने सालों तक नहीं उठाए, उन्हें पंजाब सरकार प्राथमिकता के आधार पर उठाएगी ताकि इस मसले का जल्दी निपटारा हो सके। पंजाब सरकार हमेशा न्याय के साथ डटकर खड़ी है। इंकलाब जिंदाबाद।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'मैंने बंदी सिंघों की रिहाई बारे उनके विचारों और अपील को पूरी गहराई से सुना।

मिलावटी दूध की शिकायतों पर उपायुक्त की कार्रवाई, सैंपल जांच और वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ रोकने के लिए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पंजाब से जिले में दूध की सप्लाई किए जाने संबंधी प्राप्त शिकायतों का संज्ञान लेते हुए दूध के सैंपल लेकर प्रयोगशाला में जांच करवाने तथा बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के चालान कर उन्हें इंपाउंड करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने मंगलवार सुबह रामगढ़ के समीप मानक्या गांव में औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पंजाब नंबर के कुछ वाहनों को रुकवाकर जांच की गई। इन वाहनों में दूध से भरे कंटेनर पाए गए। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट वाली कुछ मोटरसाइकिलों को भी रोका गया, जो दूध की सप्लाई के लिए शहर की ओर जा रही थीं।

वाहन चालकों से पूछताछ के दौरान उनके द्वारा बताया गया कि वे पंजाब से दूध लेकर आ रहे हैं और इसे जिले के विभिन्न स्थानों पर सप्लाई किया जाना है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने मौके पर मौजूद जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी को दूध के सैंपल लेने तथा उन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि सैंपल की जांच के दौरान यदि दूध में किसी भी प्रकार की मिलावट अथवा गुणवत्ता संबंधी कमी पाई जाती है तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आरटीए अधिकारियों को बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के चालान करने तथा नियमानुसार उन्हें इंपाउंड करने के भी निर्देश दिए।

19,000 से अधिक किसानों के खातों में 800 करोड़ रुपये जमा: लाल चंद कटारूचक

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री ने किसानों से मंडियों में सूखी फसल लाने की अपील की

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा किसानों, आढ़तियों और मजदूरों को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने देने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करते हुए धान खरीद सीजन 2026-27 को निर्बाध बनाने के लिए अथक प्रयास किए जा रहे हैं। इसका स्पष्ट प्रमाण यह है कि अब तक 19,222 किसानों के खातों में लगभग 800 करोड़ रुपये की राशि जमा करवाई जा चुकी है।

आज यहां एक बैठक के दौरान इस संबंध में जानकारी देते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक ने बताया कि अब तक वह 10 जिलों—गुरदासपुर, पटियाला, अमृतसर, तरनतारन, होशियारपुर, जालंधर, शहीद भगत सिंह नगर, साहिबजादा अजीत सिंह नगर, फतेहगढ़ साहिब और कपूरथला—की विभिन्न मंडियों का दौरा कर खरीद प्रबंधों का व्यक्तिगत रूप से जायजा ले चुके हैं। मंत्री ने कहा कि यह बेहद गर्व की बात है कि विभिन्न मंडियों के दौरे के दौरान किसी भी किसान अथवा खरीद सीजन से संबंधित किसी अन्य पक्ष की ओर से एक भी शिकायत सामने नहीं आई है। उन्होंने आगे कहा कि अब किसानों को निर्धारित 24 घंटे की समय-सीमा से भी पहले भुगतान किया जा रहा है।

इसके अलावा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि बाहरी राज्यों से कोई धान मंडियों में न आए, सभी अंतरराज्यीय नाकों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि आज जलालाबाद में कथित तौर पर हरियाणा से संबंधित एक व्यक्ति को पंजाब से बाहर से धान लाते हुए पकड़ा गया है। विभागीय स्तर पर जांच चल रही है और ऐसी घिनौनी हरकत करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। वर्तमान खरीद प्रक्रिया की तेज रफ्तार के लिए विभाग के अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की सराहना करते हुए मंत्री ने उन्हें यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि खरीद की गति में किसी भी समय कमी न आए। मंत्री ने किसानों से मंडियों में केवल सूखी फसल लाने की अपील करते हुए विश्वास दिलाया कि उन्हें मंडियों में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि राज्य सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि पंजाब राज्य को केंद्रीय पूल के लिए 180 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) धान खरीद का लक्ष्य दिया गया है, जिसके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

7 अक्टूबर को 23 जिलों में होगी विकसित भारत संकल्प सभा, गुरुग्राम में सेवा ज्योति मशाल स्थापित करेंगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

हिन्द जनपथ

गुरुग्राम(ब्यूरो)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हरियाणा में सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा और जनभागीदारी से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 7 अक्टूबर को प्रदेश के 23 जिलों में विकसित भारत संकल्प सभाएं आयोजित होंगी, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली से लाइव संबोधित करेंगे। गुरुग्राम में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य रूप से शामिल होंगे और लेजर वैली स्थित शिरोमणि महाराणा प्रताप स्वर्ण जयंती पार्क से सिग्नेचर टावर चौक तक सेवा ज्योति यात्रा में शामिल होकर सेवा ज्योति मशाल स्थापित करेंगे।

मंगलवार को गुरुग्राम स्थित भाजपा कार्यालय गुरुकमल में पत्रकारों से संवाद करते हुए डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शासन और जनसेवा की जिम्मेदारी संभाली थी। उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, सुशासन, त्याग और राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को समर्पित रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने युवा, किसान, गरीब और महिला सशक्तिकरण को अपनी नीतियों के केंद्र में रखा है।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी विकसित भारत-2047 के संकल्प को केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि जनभागीदारी का राष्ट्रीय अभियान बनाना चाहते हैं। सेवा ज्योति यात्रा का भी यही संदेश है कि प्रत्येक नागरिक यह विचार करे कि वह समाज और राष्ट्र के निर्माण में क्या योगदान दे सकता है। केवल सरकार के प्रयासों से व्यापक परिवर्तन संभव नहीं है, जनभागीदारी से ही विकसित भारत का संकल्प साकार होगा।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश के विधायकों से संवाद के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और जल संरक्षण पर विशेष जोर दिया है। किसानों के छोटे-छोटे समूहों से संवाद कर उन्हें प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। मिट्टी, जल और पर्यावरण का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा हरियाणा ने नमो सेवा हरियाणा पोर्टल शुरू किया है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयंसेवक के रूप में पंजीकरण कर सेवा कार्यों से जुड़ सकते हैं।

भगवंत मान सरकार ने 'बिल लाओ इनाम पाओ' योजना को बढ़ाया; योजना के तहत 9.40 करोड़ रुपये के जुर्माने के नोटिस जारी, 7.31 करोड़ रुपये की वसूली: हरपाल सिंह चीमा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी एवं कराधान मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां घोषणा की कि भगवंत सिंह मान सरकार ने राज्य की प्रमुख योजना 'बिल लाओ इनाम पाओ' (मेरा बिल योजना) को एक और वर्ष के लिए बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत अब तक 9.40 करोड़ रुपये के जुर्माने की मांग की गई है, जिसमें से 7.31 करोड़ रुपये की वसूली हो चुकी है। इसके अलावा 135 नए डीलरों को पंजीकृत किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 और 2026-27 के दौरान निकाले गए 4,058 ड्रा में से सत्यापन के बाद 3,548 भाग्यशाली ड्रा विजेताओं को 2.30 करोड़ रुपये से अधिक की पुरस्कार राशि वितरित की गई है। उन्होंने कहा कि इस योजना ने नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने और लोगों को प्रोत्साहित करने, दोनों ही स्तरों पर उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं।

इस पहल की सफलता पर प्रकाश डालते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि इस योजना के माध्यम से बिलों का प्रभावी सत्यापन सुनिश्चित हुआ है और पूरे राज्य में कर नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगा है। उन्होंने कहा कि निरंतर निगरानी और कानूनी कार्रवाई के माध्यम से कर विभाग ने नियमों की अनदेखी करने वालों की पहचान की, जिसके परिणामस्वरूप 9.40 करोड़ रुपये के जुर्माने लगाए गए और सरकारी खजाने में 7.31 करोड़ रुपये जमा करवाए गए। इसके साथ ही 135 नए डीलरों को पंजीकृत कर करदाताओं का दायरा भी बढ़ाया गया है।

उन्होंने 'मेरा बिल योजना' के लकी ड्रा के तहत उपभोक्ताओं को दिए गए पुरस्कारों के आंकड़े साझा करते हुए आम लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 और 2026-27 के दौरान निकाले गए 4,058 ड्रा में सत्यापन के बाद कुल 3,548 विजेता सामने आए, जिन्हें कुल 2,30,38,070 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

पंचकूला में हरियाणा राज्य परिवहन द्वारा 25 प्रशिक्षुओं का किया जाएगा चयन

पंचकूला- हरियाणा राज्य परिवहन, पंचकूला में शिक्षुता अधिनियम, 1961 के अंतर्गत विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षुओं का चयन किया जाना है। चयनित प्रशिक्षुओं की प्रशिक्षण अवधि तथा प्रशिक्षण भत्ता शिक्षुता अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार देय होगा।

प्रशिक्षुओं का ट्रेडवार विवरण इस प्रकार है- अपहोल्स्टर (जनरल टेलर)-1, डीजल मैकेनिक- 6, फिटर- 5, मोटर मैकेनिक व्हीकल (एमएमवी)-4, इलेक्ट्रीशियन- 2, कारपेंटर- 2, वेल्डर-2, पेंटर-1 और स्टेनो हिंदी टाइपिस्ट के 2 पद है। कुल 25 पदों पर प्रशिक्षुओं का चयन किया जाना है।

इच्छुक उम्मीदवार अपना पंजीकरण एवं आवेदन ऑनलाइन वेबसाइट http://www.apprenticeshipindia.gov.in पर 6 अक्तूबर से 20 अक्तूबर, 2026 तक दोपहर 3 बजे तक कर सकते हैं।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का विवरण	निविदा खुलने की तिथि, समय	अनुमानित लागत रुपये	धरोहर राशि रुपये	कार्य पूरा करने की अवधि
1	OT-33/ 2026-27	सिगनलिंग वर्क इन कनेक्शन विद **(i)** अंबाला डिवीजन टी टी आर (टी डब्ल्यू एस + सी एम एस सी) – 40 सेट, टी टी आर (एफ एस + टी डब्ल्यू एस + डब्ल्यू सी एम एस सी) –13 सेट्स, टी टी आर (टी डब्ल्यू एस) – 65 सेट्स, टी टी आर (टी एस आर) – 110 सेट्स & टी टी आर (सी एम एस सी) – 25 सेट्स। **(ii)** यार्ड इम्प्रूवमेंट ऑफ के एल के यार्ड अंडर जुरिसडिक्शन ऑफ ए. डी. ई. एन./ एस. एम. एल। (iii) राजपुरा – धूरी (डी एन) – टी. एस. आर (पी) – 13.625 टी के एम। (iv) टी. एस. आर (पी) – 48.363 के एम वर्क ओवर राजपुरा – धुरी अप लाइन सेक्शन। **(v)** सहारनपुर – अंबाला टी. एस. आर (पी) – 14.583 टी के एम & अंबाला – राजपुरा – टी. एस. आर (पी) – 1.000 टी. के. एम। **(vi)** यार्ड इम्प्रूवमेंटवर्क इन 35 यार्ड्स अंडर सीनियर डी ई एन–02 अंबाला डी ओ सी, पी टी ए, डी बी एन, एन बी ए, डी एन एक्स, आर पी एच आर, बी एक्स सी, यू के एन, जी आर एन, जी आई एल एल, क्यू आर पी, ए एच एच, के यू पी, एम ई टी, एच एम आई, बी एस एस, एस ए जी, एस एफ एम यू, सी जे एल, एल एच ए, ए बी एस, पी के के, पी जे के, एच एम के, एफ टी एच, बी टी आई सी, बी टी आई, एम ओ टी, बी एच एक्स, जी डी बी, पी यू एल, एच वाई ए, एस ई क्यू, एल एच एम और बी एन एन।	30.10.2026 at 15:00 Hrs.	Rs. 7,30,23,427.84/-	Rs. 14,60,500/-	270 Days

नोटः– 1. वरि. मंडल सिग. एवं टेली. इंजी./उ.रे., डी.आर.एम. ऑफिस, रेल विहार, अम्बाला छावनी के द्वारा इच्छुक निविदाकारों से उपरोक्त संदर्भित कार्यों हेतु खुली निविदा दशार्यी गयी तिथि अनुसार 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदाकारों के द्वारा सभी आवश्यक दस्तावेज की स्कैन प्रतिलिपि अपलोड करें। 2. टेन्डर डाकूमेंटस व निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे बेवसाईट **www.ireps.gov.in** पर लॉग ऑन करें। 3. निविदाकारों को ई–टेण्डरिंग में भाग लेने के लिए उनके पास क्लास–III डिजिटल सिगनेचर सर्टिफिकेट होना चाहिए तथा उन्हें उपरोक्त साइट पर रजिस्टर्ड होना आवश्यक है। निविदाकारों से निवेदन है कि टेन्डर नोटिस और टेन्डर डाकूमेन्टस में दी गई हिदायतों/शर्तों इत्यादि को टेन्डर डालने से पहले भली भांति पढ़ लें।

संख्याः एस.डब्लू./सिग/अंबाला/एन.आई.टी–10–2026–27 दिनांकः 06.10.2026 **3464/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

सभी भाषाओं के सम्मान से ही मजबूत होगी भाषाई एकता

कायदे से भाषाओं के बीच प्रतिस्पर्धा के बजाय सह-अस्तित्व और परस्पर सम्मान की भावना होनी चाहिए, लेकिन ऐसा लगता है कि भाषा को लेकर मतभेद लोकमत से ज्यादा एक राजनीतिक औजार बन गया है। भारत विविधताओं का देश है और यहां अलग-अलग भाषाएं एवं संस्कृतियां क्षेत्रीय विशेषताओं तथा ऐतिहासिकता को रेखांकित करती हैं। भाषा के विभिन्न स्वरूप केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि पहचान, परंपरा और भावनाओं से भी जुड़े हुए हैं।मगर सवाल है कि क्या किसी एक भाषा के संरक्षण और विकास के लिए दूसरी भाषा का विरोध करना या किसी पूर्वाग्रह के आधार पर उसे उपयोगिता के तराजू में तौलना उचित है?तमिलनाडु में एक राजमार्ग के साइनबोर्ड पर शहरों के नाम तमिल और अंग्रेजी के साथ हिंदी में भी लिखे जाने के कारण दो अधिकारियों को निलंबित कर देने की घटना ने देश की विविध भाषाओं की सर्वत्र स्वीकार्यता को लेकर लंबे समय से चली आ रही बहस को फिर तेज कर दिया है।कायदे से भाषाओं के बीच प्रतिस्पर्धा के बजाय सह-अस्तित्व और परस्पर सम्मान की भावना होनी चाहिए, लेकिन ऐसा लगता है कि भाषा को लेकर मतभेद लोकमत से ज्यादा एक राजनीतिक औजार बन गया है।यह सच है कि कुछ राज्यों में हिंदी को लेकर आशंकाएं रही हैं। विशेषकर दक्षिण भारत में हिंदी को अनिवार्य बनाने के विचारों का विरोध भाषाई पहचान और क्षेत्रीय स्वायत्तता से जुड़ा मसला हो सकता है और इन चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।किसी भी भाषा को शिक्षा, रोजगार या प्रशासन में जबरन थोपने के बजाय क्षेत्र के लोगों की सहमति और सुविधा को सर्वोपरि रखा जाना चाहिए।मगर क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने का अर्थ हिंदी का विरोध करना नहीं होना चाहिए। कोई एक भाषा किसी दूसरी भाषा के अस्तित्व के लिए खतरा कैसे हो सकती है!प्रत्येक भाषा अपने समाज की ऐतिहासिक स्मृतियों, साहित्य और सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए है। इसलिए किसी एक भाषा को दूसरी भाषा के मुकाबले खड़ा करना भाषाई सद्भाव को कमजोर करता है।ऐसे में तमिलनाडु की आधिकारिक दो-भाषा नीति पर भी सवाल खड़े होते हैं, जिसमें सिर्फ तमिल और अंग्रेजी को शामिल किया गया है।

कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी ने टाली बड़ी हवाई त्रासदी

(महेन्द्र तिवारी)

घटना के बाद कैप्टन मच्छार को तबूक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। भारतीय अधिकारियों के अनुसार वह गंभीर रूप से घायल हुए थे, लेकिन उनका उपचार किया जा रहा था और उनकी स्थिति सुरक्षित बताई गई। उनकी बहादुरी की प्रशंसा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी की।

आसमान में उड़ता हुआ विमान सामान्यतः यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा और मंजिल तक पहुंचने का भरोसा लेकर चलता है। विमान के भीतर बैठे लोग यह कल्पना भी नहीं करते कि कुछ ही क्षणों में वही यात्रा जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष में बदल सकती है। 30 सितंबर 2026 को दुबई से तेल अवीव जा रहे एक विमान में कुछ ऐसा ही हुआ। उड़ान के दौरान ऐसी भयावह स्थिति पैदा हुई, जिसमें विमान में सवार लोगों की जान पर गंभीर खतरा मंडराने लगा। उस समय भारतीय विमान चालक कैप्टन स्मित मच्छार ने जिस साहस, धैर्य और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया, उसकी चर्चा भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक हिस्सों में हो रही है।

दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान संख्या एफजेड1073 में लगभग 174 यात्री सवार थे। विमान बोइंग 737 मैक्स 8 था। उड़ान के दौरान विमान में कार्यरत सह-पायलट ने कथित तौर पर कैप्टन स्मित मच्छार पर चाकू से हमला किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमले के बाद विमान की स्थिति अचानक गंभीर हो गई और वह कुछ ही क्षणों में लगभग 14000 फुट नीचे चला गया। इस घटना ने विमान में मौजूद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को भारी संकट में डाल दिया।

सबसे कठिन स्थिति यह थी कि जिस व्यक्ति के हाथ में विमान की सुरक्षित उड़ान की जिम्मेदारी थी, उसी पर हमला कर दिया गया था। कैप्टन मच्छार गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन उन्होंने अपना धैर्य नहीं खोया। उपलब्ध विवरण के अनुसार, उन्होंने घायल अवस्था में भी विमान के नियंत्रण और यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी। उन्होंने कक्ष का दरवाजा खोलने में सफलता प्राप्त की, जिसके बाद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने मिलकर हमलावर को काबू करने में मदद की। विमान में मौजूद दो अन्य विमान चालकों ने भी स्थिति संभालने में सहायता की। अंततः विमान को सऊदी अरब के तबूक हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया।

इस पूरी घटना का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि संकट के उस क्षण में कैप्टन मच्छार ने केवल अपने जीवन की चिंता नहीं की। उनके सामने विमान में बैठे सैकड़ों लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी थी। एक विमान चालक के लिए सामान्य परिस्थितियों में भी निर्णय लेना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, लेकिन जब स्वयं चालक घायल हो, विमान असामान्य स्थिति में हो और कुछ ही क्षणों में बड़ा हादसा हो सकता हो, तब निर्णय लेने की क्षमता की वास्तविक परीक्षा होती है। कैप्टन मच्छार ने इसी परीक्षा में असाधारण धैर्य दिखाया।

घटना के बाद कैप्टन मच्छार को तबूक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। भारतीय अधिकारियों के अनुसार वह गंभीर रूप से घायल हुए थे, लेकिन उनका उपचार किया जा रहा था और उनकी स्थिति सुरक्षित बताई गई। उनकी बहादुरी की प्रशंसा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी की। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कैप्टन मच्छार के साहस की सराहना करते हुए उन्हें सच्चा नायक बताया।

कैप्टन स्मित मच्छार का विमानन क्षेत्र में लंबा अनुभव भी इस घटना के संदर्भ में उल्लेखनीय है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार वह मुंबई के घाटकोपर क्षेत्र से हैं और इससे पहले स्पाइसजेट में कार्य कर चुके हैं। जून 2022 में वह फ्लाईदुबई से जुड़े थे। उनके पास बोइंग 737 विमानों को उड़ाने का लगभग 9750 घंटे का अनुभव बताया गया है। इतने लंबे अनुभव ने निश्चित रूप से उन्हें कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने की व्यावसायिक क्षमता प्रदान की होगी, लेकिन केवल अनुभव से उस क्षण का साहस नहीं समझाया जा सकता। घायल होने के बावजूद यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना उनके कर्तव्यबोध को भी सामने लाता है।

इस घटना की एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि यात्रियों ने भी संकट के समय असाधारण सहयोग किया। विमान के भीतर उत्पन्न खतरे को केवल चालक दल ने ही नहीं संभाला, बल्कि यात्रियों ने भी हमलावर को काबू करने में मदद की। इससे पता चलता है कि आपात स्थिति में सामूहिक सहयोग कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। एक व्यक्ति की बहादुरी ने रास्ता बनाया, लेकिन उसके बाद कई लोगों के सहयोग ने स्थिति को नियंत्रण में लाने में भूमिका निभाई। इस घटना को केवल एक व्यक्ति की कहानी मानना पूरी तस्वीर को छोटा कर देना होगा। यह साहस, प्रशिक्षण, जिम्मेदारी और सामूहिक सहयोग की कहानी भी है।

घटना के बाद विमान सुरक्षित रूप से तबूक पहुंचा और यात्रियों को आगे उनकी मंजिल तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई। उपलब्ध समाचारों के अनुसार सभी यात्री सुरक्षित रहे। जिस स्थिति में विमान हजारों फुट नीचे आ गया था, उसमें सुरक्षित अवतरण अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। विमान की आपात स्थिति और उसके बाद हुई घटनाओं की जांच संबंधित अधिकारियों द्वारा की जा रही है। इसलिए सह-पायलट की वास्तविक मंशा, हमले का कारण और घटना के पीछे की पूरी परिस्थितियों के बारे में अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा।

कैप्टन मच्छार की बहादुरी को लेकर भारत में भी भावनात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। उत्तर प्रदेश के कुंडा क्षेत्र से विधायक रघुराज प्रताप सिंह, जिन्हें राजा भैया के नाम से भी जाना जाता है, ने उनकी बहादुरी की प्रशंसा करते हुए एक महत्वपूर्ण सुझाव रखा। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे बहादुर विमान चालक को सम्मानपूर्वक भारतीय सेना में विमान चालक के पद पर नियुक्त किया जाए तो यह गर्व की बात होगी। उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व से इस विषय पर विचार करने का आग्रह किया। यह फिलहाल एक राजनीतिक नेता द्वारा किया गया सुझाव है, कोई सरकारी नियुक्ति या निर्णय नहीं।

राजा भैया की इस मांग ने एक अलग बहस को भी जन्म दिया है। भारतीय सेना में नियुक्तियां निर्धारित नियमों, पात्रताओं और प्रक्रियाओं के अनुसार होती हैं। किसी व्यक्ति की असाधारण बहादुरी निश्चित रूप से सम्मान का विषय हो सकती है, लेकिन किसी विशिष्ट पद पर नियुक्ति का निर्णय संबंधित नियमों और संस्थागत प्रक्रियाओं के अनुसार ही किया जा सकता है। इसलिए राजा भैया की मांग को एक सम्मानजनक सुझाव के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि किसी घोषित सरकारी फैसले के रूप में। भौगोलिकसंदर्भ

कैप्टन मच्छार की कहानी हमें यह भी याद दिलाती है कि किसी पेशे की असली परीक्षा तब होती है, जब सामान्य परिस्थितियां अचानक असामान्य हो जाएं। विमान चालक के लिए यात्रियों की सुरक्षा केवल नौकरी की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है। कैप्टन मच्छार ने जिस परिस्थिति में अपना संयम बनाए रखा, उसमें उनके सामने अपने जीवन का खतरा भी था और विमान में सवार लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी। ऐसे समय में भय स्वाभाविक है, लेकिन भय के बावजूद जिम्मेदारी निभाना ही साहस का वास्तविक अर्थ है।

इस घटना के संदर्भ में कैप्टन मच्छार के कुछ पुराने विचार भी उल्लेखनीय हैं। विमानन क्षेत्र से जुड़ी एक रिपोर्ट में उनके पूर्व कथनों का उल्लेख किया गया है, जिनमें उन्होंने यात्रियों के सुरक्षित विमान से बाहर निकलने को अपनी प्राथमिकता बताया था। उन्होंने यह भी कहा था कि कठिन परिस्थितियों में यात्रियों से संवाद बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है। आज जब उनकी अपनी उड़ान में असाधारण संकट आया, तब उनके व्यवहार में भी यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की वही भावना दिखाई दी।

आकाश में घटित यह घटना कई सवाल भी छोड़ गई है। विमान में चालक दल की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए यदि चालक दल के किसी सदस्य से ही अचानक खतरा उत्पन्न हो जाए तो ऐसी परिस्थिति से निपटने के लिए क्या अतिरिक्त व्यवस्थाएं होनी चाहिए आपातकालीन प्रशिक्षण में ऐसी घटनाओं को किस तरह शामिल किया जाना चाहिए इन प्रश्नों का उत्तर संबंधित विमानन संस्थाओं और जांच एजेंसियों को देना होगा। घटना की जांच से सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर विमानन सुरक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार किए जा सकते हैं।

फिलहाल सबसे बड़ी बात यह है कि एक बेहद कठिन परिस्थिति में विमान सुरक्षित रूप से जमीन पर पहुंचा और उसमें सवार यात्रियों की जान बच गई। कैप्टन स्मित मच्छार स्वयं घायल हुए, लेकिन उन्होंने अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटने के बजाय संकट का सामना किया। यही कारण है कि उनकी बहादुरी की चर्चा सीमाओं से परे हो रही है। भारत के प्रधानमंत्री से लेकर इजरायल के प्रधानमंत्री तक ने उनके साहस की सार्वजनिक रूप से सराहना की है।

कांग्रेस ने फिर अपनाई बांटो और राज करो की नीति

(मृत्युंजय दीक्षित)

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इससे पूर्व भी कई विवादित बयान दे चुके हैं। एक बार उन्होंने कहा था कि मुस्लिम ही कांग्रेस है और कांग्रेस ही मुस्लिम है। रेवंत रेड्डी का कहना है कि भगवान राम अमीरों के देवता हैं और भगवान शिव गरीबों के देवता हैं। वर्तमान समय में कांग्रेस पार्टी जहां एक ओर अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए चुनाव आयोग व देश की अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर हमलावर है वहीं दूसरी ओर उसके तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हिंदू देवी देवताओं का विभाजन करके कांग्रेस की बांटो और राज करो की नीति को आगे बढ़ाकर राजनैतिक माहौल को गर्म कर दिया है। दक्षिण का राज्य तेलंगाना कांग्रेस के शासन में आर्थिक तंगी व भ्रष्टाचार से गुजर रहा है। अपनी प्रशासनिक नाकामियों तथा चुनावी वादों को पूरा करने में नाकाम रहने व मुस्लिम तुष्टिकरण को छुपाने के लिए रेवंत रेड्डी ने प्रभु श्रीराम को उत्तर और भगवान शिव को दक्षिण का देवता बताकर एक नयी विभाजक रेखा खींचने का असफल प्रयास किया है। उत्तर भारत में अपने अस्तित्व का संघर्ष करती कांग्रेस अब विभाजनकारी मानसिकता के सबसे निचले पायदान पर पहुँच गयी लगती है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इससे पूर्व भी कई विवादित बयान दे चुके हैं। एक बार उन्होंने कहा था कि मुस्लिम ही कांग्रेस है और कांग्रेस ही मुस्लिम है। रेवंत रेड्डी का कहना है कि भगवान राम अमीरों के देवता हैं और भगवान शिव गरीबों के

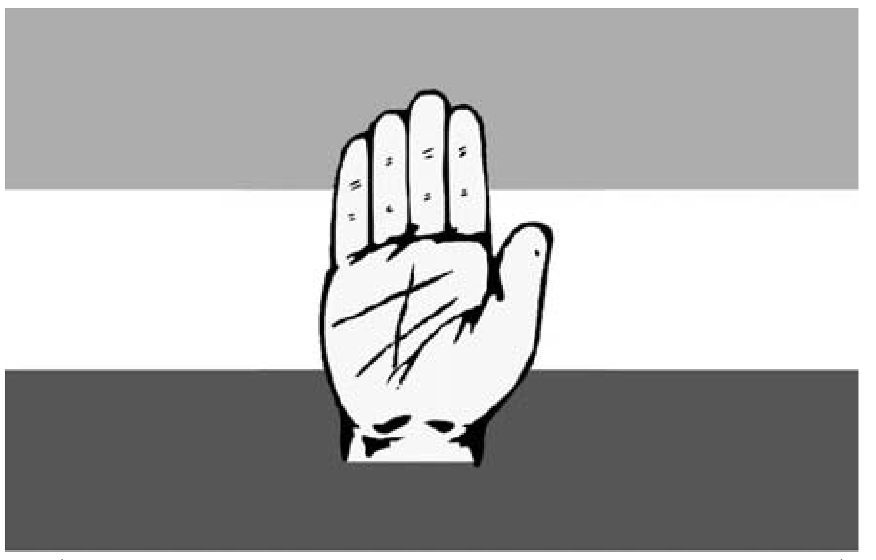

देवता हैं। वे स्वयं को भगवान शिव का भक्त बताते हुए कहते हैं कि भाजपा ने भगवान राम को चोरी कर लिया है। रेवंत रेड्डी का कहना है भाजपा के लोग हर हर महादेव तक नहीं बोलते। वह एक बार हिंदुओं के 33 करोड़ देवताओं पर भी विकृत बयानबाजी कर चुके हैं। दिमागी नक्सली नेताओं का यही लक्ष्य रहता है किसी न किसी प्रकर हिंदू देवी देवताओं का अपमान किया जाए। विगत सितम्बर में हुए गणेशोत्सव आयोजन के दौरान तेलंगाना में कई जगह से गणेशेत्सवों के आयोजन पर बाधाओं के समाचार आ रहे थे। कांग्रेस पार्टी ने अयोध्या में श्री राम मंदिर के निर्माण में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ कारिडोर का विरोध किया। ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग को फव्वारा बताने में सबसे पहले कांग्रेस ही मैदान में उतर पड़ी थी। रेवंत रेड्डी संभवतः यह बात भूल गए कि भगवान शिव को नीलकंठ भी कहा जाता है क्योंकि उन्होंने समाज की रक्षा के लिए विष को भी अपने गले में ही धारण कर लिया था। तेलंगाना के मुख्यमंत्री को भगवान श्रीराम का चरित्र पढ़ना चहिए। मुख्यमंत्री को यह नहीं पता कि भगवान श्रीराम मर्यादा पुरषोत्तम थे। अंग्रेजों की बनाई हुई पार्टी कांग्रेस ने अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की रणनीति के तहत ही विगत 76 वर्षों में हिंदू समाज को जाति, पंथ, संप्रदाय, भाषा और क्षेत्र के आधार पर बांटने की पूरी कोशिश की है और वह लगातार जारी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपने बयान के माध्यम से आर्य बनाम द्रविड का विभाजन करते हुए यह भी कहाकि हम द्रविड़ हैं और हम भगवान शिव की आराधना करते हैं जबकि आर्य प्रभु श्रीराम को मानते हैं। रेवंत रेड्डी का कहना है कि बीजेपी के मंचों से जयश्रीराम का नारा सुनाई देता है जबकि हर हर महादेव का उद्घोष नहीं किया जाता । रेड्डी ने कहा कि मोदीजी हर हर महादेव क्यों नहीं कहते रेवंत रेड्डी का बयान झूठ का पुलिंदा भर है। रेवंत रेड्डी को यह नहीं पता कि उत्तर भारत में केदारनाथ, विश्वनाथ और महाकाल जैसे ज्योतिर्लिंग हैं, उत्तर भारत में ही काँवड़ यात्रा होती है और श्रावण माह महादेव को ही समर्पित रहता है। कांग्रेस को तो भगवान शिव के मंदिरों के विकास से भी चिढ़ रही है। गुजरात के पवित्र सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार रोकने और तत्कालीन राष्ट्रपति स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद को सोमनाथ मंदिर न जाने देने का भरसक प्रयास स्वयं नेहरु जी ने किया था। सोमनाथ मंदिर के 1000 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कर्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिभाग पर भी कांग्रेस ने नफरत भरा बयान दिया था। मध्य प्रदेश के उज्जैन में बने भव्य महाकाल कॉरिडोर का विरोध भी कांग्रेस नेताओं ने ही किया था।

वर्ग पहेली 6235

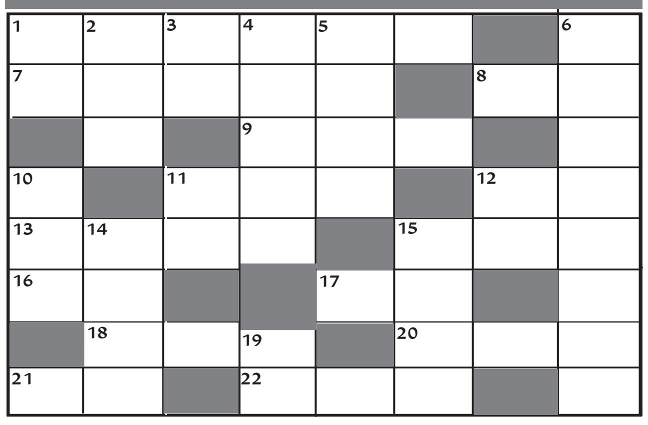

संकेतः बाएं से दाएं

1. 11 अगस्त 1908 को इस महान क्रांतिकारी फांसी दी गई (7)
7. दमन करने वाला (5)
8. अंतरिक्ष, आकाश, आसमान (2)
9. नृत्य करवाना (3)
11. पार्श्व, पहलू, पक्ष (3)
12. जल, आब, नीर, पानी (2)
13. विवाह के समय होने वाली एक रस्म, शशि कपूर-आशापारेख अभिनीत एक फिल्म (1968)(4)
15. स्वभाव, लत, व्यसन (3)
16. निर्णीत, फैसला किया हुआ, ठहराया हुआ (2)
17. तौल की एक सूक्ष्म ईकाई ता आइ रत्ती के बराबर होती है (2)
18. विलक्षण वस्तु या करतब, चमत्कार, पराकाष्ठा (3)
20. पंडवानी शैली की प्रसिद्ध लोकगायिका (सिर्फ नाम)(3)
21. करने वाला, रचने वाला, साधक (2)
22. यथेष्ट, आवश्यकता से अधिक, अत्यधिक ज्यादा (3)

ऊपर से नीचे

1. स्वयं, आप (2)
2. एक प्रकार का कीट जो कागज आदि को हानि पहुंचाता है (3)
3. जंघा, जांघ (2)
4. चक्राकार बंदूक यह कहलाती है (5)
5. बातचीत, वार्तालाप (4)
6. संत तुलसीदास की प्रसिद्ध धार्मिक कृति (8)
10. बल, शक्ति, पॉवर (3)
11. जो भाग्य में लिखा हुआ हो (2)
12. अभियोग, तर्क, दार्शनिक प्रणाली (2)
14. न्यायाधीश, जज, न्याय करने वाला (4)
15. प्रत्याशतीत, कल्पनातीत, स्वप्नातीत, अकल्पनीय (4)
19. रदपट, अधर, ओंठ, ओष्ठ (2)

वर्ग पहेली 6234 का हल

प	द	मा		चं	ब	ल	
रि	वा	ज		ग	ल	त	
व		रा		ला	वा		वा
र्त			मु			गै	र
न	ई	दु	नि	या			दा
	द	र्ज		द	ह	श	त
चौ	गा	न		गा	य		
रा	ह		बा	र			पौ

भाषा कोई भी हो, दवा सस्ती मिले और सही मिले

अशोक मधुप

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रदेश के चिकित्सकों से आग्रह किया है कि वे मरीजों के परामर्श-पर्चे पर दवाओं के नाम हिंदी अथवा देवनागरी लिपि में भी लिखें, ताकि मरीज आसानी से समझ सकें कि उन्हें कौन-सी दवा दी गई है। अपने पत्र के माध्यम से उन्होंने कहा कि मरीजों की सुविधा और उनके विश्वास को ध्यान में रखते हुए हिंदी में लिखी दवाओं को प्राथमिकता दी जाए। ब्रजेश पाठक ने कहा कि लोकतंत्र लोकभाषा और जनभाषा के माध्यम से ही अधिक मजबूत होता है। चिकित्सक यदि मरीजों से उनकी मातृभाषा अथवा स्थानीय भाषा जैसे भोजपुरी, अवधी, ब्रजभाषा आदि में संवाद करेंगे, तो मरीज अपनी समस्या और चिकित्सकीय सलाह को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। इससे चिकित्सक और मरीज के बीच विश्वास भी और मजबूत होगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी विदेशों में भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिंदी के माध्यम से संवाद कर देश की भाषाई पहचान को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने चिकित्सकों से आह्वान किया कि वे मरीजों की सुविधा के लिए चिकित्सा संवाद को अधिक से अधिक सरल और स्थानीय भाषा में बनाएं। राष्ट्रनायकों की अभिलाषा, चले देश में देशज भाषा के भाव के साथ उप मुख्यमंत्री पाठक ने चिकित्सकों से इस पहल को जनसेवा का हिस्सा बनाने का आग्रह किया। उनका आदेश बहुत अच्छा है, किंतु इस आदेश से ज्यादा जरूरी है कि मरीजों को गुणवत्ता वाली दवा सस्ती मिलें। उपचार सस्ता हो। हिंदी में लिखने से ज्यादा जरूरी और महत्वपूर्ण है कि दवाएं सस्ती और गुणवत्ता पूर्ण हों।

आज बीमार की सबसे बडी समस्या मंहगी दवा है। महंगी होने पर भी कोई गारंटी नही कि वह असली ही होगी। हाल में कुत्ते के काटे पर लगने वाला रेबीज का टीके की नकली खेप पकड़ी गई। हार्ट और कैंसर की दवाएं भी नकली पकड़ी जाती रही हैं। कुत्ते के काटने से रेबीज नामक बीमारी होने का खतरा रहता है। इस बीमारी का पूरी दुनिया में कोई इलाज नहीं। हार्ट और कैंसर की नकली दवा तो मरीज के सीधे मौत के मुंह में धकेल रही हैं। एक बात और आज बाजार में लोकल कंपनी की मंहगी दवा भरी हैं। मैडिकल स्टोर वाह? वाही लूटने के लिए खरीदार को दस प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक कमीशन देते हैं किंतु दवा तो ज्यादा कमीशन के चक्कर में लोकल कंपनी की बेच रहे हैं। ब्रांडेड दवाएं तो एक तरह से मार्केट से लगभग गायब होती जा रही हैं। मेरे घुटने के बदलने के दौरान में मुझे 886 रूपये की छह एंटी बायोटिक गोली अस्पताल के मैडिकल स्टोर से दी गईं, जबकि सिपला की इसी दवा की दस गोली 113 रूपये की हैं। दो साल पहले मेरी बाई पास सर्जरी हुई। आपरेशन के दौरान तीन टाकें पक गए। इनके लिए सुबह ङ्कशाम एंटीबायोटिक इंजेक्शन लगते। अस्पताल से ये एक इंजेक्शन 1550 रूपये का मिलता। होलसेल मार्केट में इस इंजेक्शन की कीमत तीन सौ रूपये थी1 अस्पताल में बाहर से खरीदा इंजेक्शन नही लगता था। इसीलिए हमें 1550 का इंजेक्शन खरीदना पड़ता। हालत यह है कि अब अस्पताल अपनी मर्जी से दवा पर कीमत डलवाते हैं। मरीज फंस गया चाहिए, फिर तो उसे लुटना ही लुटना है। ये ही हाल बीमारी के टैस्ट का है।

आज का राशिफल

मेष

आज लाभ और सुख साधनों की प्राप्ति होगी। आज का दिन सुखद रहेगा। राशि से सुख भाव में धन योग बनने से आपको आर्थिक लाभ और सुख साधनों की प्राप्ति होगी। माता की ओर से लाभ और स्नेह पाएंगे। वैवाहिक जीवन भी आपका सुखद बीतेगा।

वृष

आज वाद विवाद से बचना होगा। दिन मिलाजुला रहेगा। अनावश्यक खर्च का संयोग बनेगा। महिला साथी सहकर्मियों से वाद विवाद में उलझने से आपको बचना चाहिए। शुगर की समस्या जिन जातकों को है उनको अपने खानपान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। बुद्धि और कूटनीतिक योजनाओं का आपको फायदा मिलेगा।

मिथुन

आज आर्थिक लाभ का संयोग बनेग दिन शुभ लाभदायक रहेगा। चंद्रमा राशि से दूसरे भाव में धन योग बनाकर आपको आर्थिक लाभ प्रदान करेंगे साथ ही आपको परिवार से पूरा सहयोग मिलेगा। कारोबार के लिहाज से भी दिन आपका अच्छा रहने वाला है। कोई पुराना लेनदेन भी आप निपटा पाएंगे।

कर्क

आज, लाभ का कोई मौका मिल सकता है। दिन शुभ लाभदायक रहेगा। राशि स्वामी राशि में बैठकर कई शुभ योग बना रहे हैं जिससे आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढेगा। आर्थिक क्षेत्र में लाभ का संयोग बनेगा। कारोबार में भी भाग्य आपके लिए लाभ का सृजन कर रहा है।

सिंह

आज, आपको जोखिम लेने से बचना चाहिए। आज का दिन मिश्रित रहने वाला है। आपको अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। मानसिक रूप से आप उलझन और तनाव महसूस कर सकते हैं। आपके लिए कुछ अनचाहे खर्च का भी संयोग बनता दिख रहा है। सरकारी काम में आपको जोखिम लेने से बचना चाहिए।

कन्या

आज का दिन लाभदायक और सुखद रहेगा। राशि से एकादश भाव में धन योग और त्रिग्रह योग का बनना आपके लिए तिगुना लाभ का संयोग बना रहा है। आपको भाग्य कल एक से अधिक स्रोत से लाभ दिलाएगा। आपकी किसी चिंता परेशानी का समाधान होने से आप मानसिक रूप से राहत महसूस करेंगे।

तुला

आज, कारोबार में लाभ का संयोग बनेगा। दिन सामान्य रूप से अच्छा है। राशि स्वामी वक्री गोचर कर रहे हैं लेकिन बुध का भी साथ इनको प्राप्त है ऐसे में आपको कारोबार में लाभ मिलेगा। संचार संचार और वाणी कुशलता का लाभ ले पाएंगे। आर्थिक योजनाओं को गति मिलेगी। सुख साधनों की चाहत बढेगी।

वृश्चिक

आज पुराने काम का शुभ परिणाम पाएंग आपको धन और मान सम्मान का लाभ मिलेगा। पुराने किए हुए काम का भी आपको कोई शुभ परिणाम मिल सकता है। धार्मिक और शुभ कार्यों में धन खर्च कर सकते हैं। किसी की मदद के लिए भी आपको आगे आना पड़ सकता है।

धनु

आज आर्थिक योजनाओं में संभलकर चलना होगा ।दिन मिश्रित रहेगा। आपके ऊपर काम का दबाव रहेगा। किसी बात को लेकर मानसिक तनाव भी बना रह सकता है। आर्थिक योजनाओं में आपको संभलकर फैसला लेना होगा क्योंकि कुछ अनचाहे और अप्रत्याशित खर्च होने के भी संयोग बन रहे हैं।

मकर

आज पुराने संपर्क का आपको फायदा मिलेगा। आज दिन काम और कमाई के लिहाज से अनुकूल रहेगा। लेकिन कुछ तकनीकी समस्याओं का भी आपको सामना करना पड़ सकता है। बिजनेस में आपको साझेदारों से लाभ और सहयोग मिल सकता है। कुछ नए संपर्क भी बन सकते हैं जो भविष्य मे आपको लाभ प्रदान करेंगे।

कुंभ

आज, कार्यक्षेत्र में सतर्कता जरूरी। आज दिन मानसिक तनाव को बढा सकता है। आपका मन किसी बात को लेकर उलझन में रह सकता है। आर्थिक मामलों में कुछ अप्रत्याशित और अनचाहे खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पको कार्यक्षेत्र में सतर्कता का ध्यान रखना होगा, विरोधी और शत्रु आपको हानि पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं।

मीन

आज लाभ विभिन्न क्षेत्र से प्राप्त कर पाएंग आप अपने अनुभव और ज्ञान का लाभ विभिन्न क्षेत्र में प्राप्त कर पाएंगे। आर्थिक पक्ष आपका अनुकूल रहेगा। नौकरी में आपको साथी सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंध में भी प्रगाढता बनी रहेगी और संतान की ओर से प्रसन्नता पाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के सैन होजे के लोगों के पास है सबसे ज्यादा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आप जानते हैं कि दुनिया के किस शहर के लोगों के पास सबसे ज्यादा पैसा है इसका जबाव है अमेरिका का सैन होजे। इस शहर

की जीडीपी पर पर्सन 238,700 डॉलर है। भारतीय रुपये में देखें तो यह रकम 2,29,98,458 रुपये बैठती है। जीडीपी पर पर्सन के मामले में दुनिया के टॉप 40 में 27 शहर अमेरिका के हैं। इस लिस्ट में स्विट्जरलैंड के 5 शहर शामिल हैं। लेकिन भारत, चीन और जापान के किसी भी शहर को जगह नहीं मिली है। सैन जोस शहर अमेरिकी प्रांत कैलिफोर्निया का तीसरा सबसे अधिक आबादी वाला शहर है। यह सिलिकॉन वैली का सांस्कृतिक और आर्थिक केंद्र है। दिग्गज टेक कंपनियों का मुख्यालय है। इस लिस्ट में अमेरिका का है सैन फ्रांसिस्को दूसरे नंबर पर है। मुताबिक इस शहर की जीडीपी पर पर्सन 181,900 डॉलर है। आयरलैंड की राजधानी डबलिन इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। इस शहर की जीडीपी पर पर्सन 159,700 डॉलर है। उसके बाद स्विस शहर बेसल 156,300 डॉलर के साथ चौथे नंबर पर है। अमेरिका का सिएटल (152,000 डॉलर) पांचवें, लक्जमबर्ग सिटी (147,400 डॉलर) छठे, जेनेवा (144,400 डॉलर) सातवें, बोस्टन (135,300 डॉलर) आठवें, जूरिख (131,500 डॉलर) नौवें और न्यूयॉर्क (129,300 डॉलर) दसवें नंबर पर है। टॉप 40 की लिस्ट में अमेरिका का साल्ट लेक सिटी, डरहम, वॉशिंगटन, ब्रिजपोर्ट, हार्टफर्ड, डेनवर, लॉस एंजिलिस, ऑस्टिन, नेशविले, सैन डिएगो, शिकागो, बाल्टीमोर, ह्यूस्टन, और अटलांटा जैसे शहर शामिल हैं। स्विट्जरलैंड के बर्न और लुसाने को भी इसमें जगह मिली है।

पड़ोसी देश में दूसरे पावर प्रोजेक्ट के लिए अडानी ग्रुप ने किए साइन, 5,000 मेगावाट है टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप को भूटान में एक और प्रोजेक्ट मिला है। अडानी पावर ने भूटान में 770 मेगावाट के हाइड्रोलिक प्रोजेक्ट के लिए वहां की सरकारी कंपनी के साथ एक एग्रीमेंट किया है। इसमें अडानी पावर की 49 फीसदी हिस्सेदारी होगी जबकि 51 फीसदी हिस्सेदारी स्थानीय कंपनी के पास होगी। अडानी ग्रुप और भूटान सरकार ने 5,000 मेगावाट हाइड्रोपावर के विकास के लिए स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप की है। यह प्रोजेक्ट इसी पार्टनरशिप का हिस्सा है। दोनों पार्टनर्स के बीच दूसरा बड़ा हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट है। इससे पहले सितंबर 2025 में 570 मेगावाट के वांगचू हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के लिए दोनों कंपनियों के बीच समझौता हुआ था। अडानी ग्रुप और मई 2025 में 5,000 मेगावाट हाइड्रोपावर डेवलपमेंट के पर साइन किए थे। प्रोजेक्ट मध्य भूटान के जेमगांग जिले में चामकारचू नदी पर स्थित है। यह नदी भूटान की एक प्रमुख और महत्वपूर्ण नदी है। यह मुख्य रूप से भूटान के मध्य-उत्तरी भाग में स्थित बुमथांग घाटी से होकर बहती है। इस प्रोजेक्ट को बिल्ड, ओन, ऑपरेट एंड ट्रांसफर' मॉडल पर लागू किया जाएगा। इसका निर्माण कार्य 2027 की पहली छमाही में शुरू होने और ग्राउंडब्रेकिंग के छह साल बाद कमीशनिंग का लक्ष्य है। साइनिंग सेरेमनी में भूटान के प्रधानमंत्री भी शामिल हुए। इस मौके पर अडानी पावर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल सरदाना ने कहा, 'साउथ एशिया में एनर्जी ट्रांजिशन को तेजी देने में हाइड्रोपावर अहम भूमिका निभाएगा। यह प्रोजेक्ट एनर्जी सिक्योरिटी बढ़ाने, कार्बन उत्सर्जन कम करने और सस्टेनेबिलिटी के साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में बड़ा योगदान देगा।

मेलोनी ले रही हैं आवाज का ट्रेडमार्क

नई दिल्ली, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री हैं जॉर्जिया मेलोनी। उनकी उम्र करीब 49 साल की है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस मतलब कि एआई की सहायता से बनाए गए डीपफेक को खतरे को भांप लिया है। तभी तो उन्होंने यूरोपीय यूनियन इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी ऑफिस में अपने आवाज का ट्रेडमार्क कराने के लिए आवेदन दिया है। आपको पता है कि इस ऑफिस में यदि उनकी आवाज का ट्रेडमार्क मिल जाता है तो उन्हें क्या फायदा होगा आपको हम बता रहे हैं इसके फायदे।

आवेदन कर दिया गया है

न्यूज एजेंसी रायटर ने सोमवार को यह खबर दी कि 5 अक्टूबर 2026 को उन्होंने में यह आवेदन दिया है। इस आवेदन के साथ ही मेलोनी ने अपना चार सेकेंड की ऑडियो क्लिपिंग भी दी है। इसमें बोलती हैं इसे वह रिकॉर्डिंग में दो बार दोहराती हैं ताकि बेहतर तरीके से उनकी आवाज का नमूना कैप्चर हो सके। उनके आवेदन पर अभी ने कोई फैसला नहीं किया है।

क्या होगा फायदा

यहां ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन के कई फायदे हैं। इसकी वेबसाइट पर बताया गया है कि पहला फायदा है कि एक बार इस कार्यालय में रजिस्ट्रेशन हो जाने से पूरे यूरोप में रजिस्टर्ड ब्रांड या आवाज को प्रोटेक्शन मिल जाता है। हालांकि यह प्रोटेक्शन सिर्फ 10 साल की अवधि के लिए मिलता है। यह अवधि बीत जाने के बाद इसे फिर से रिन्यू कराने की आवश्यकता पड़ती है। इसके साथ ही जिसके लिए ट्रेडमार्क लिया गया है, उस पर रजिस्ट्रेशन कराने वाले का अधिकार सुरक्षित हो जाता है। उदाहरण के लिए यदि मेलोनी ने अपनी आवाज का ट्रेडमार्क ले लिया तो फिर उस पर उनका एक्सक्लूसिव राइट झे जाएगा। उसका उपयोग कोई दूसरा नहीं किर पाएगा। इससे भी संरक्षण मिलेगा। उन्होंने अक्टूबर 2022 में इटली की प्रधानमंत्री का पद संभाला था।

डीपफेक की हो चुकी हैं शिकार

हाल के वर्षों के दौरान जॉर्जिया मेलोनी कई बार डीपफेक की शिकार हो चुकी हैं। उनके फोटो में छेड़छाड़ कर प्रसारित किया गया था। एक फोटो में तो उन्हें एक बेड पर अंडरवियर में बैठे हुए दिखाया गया था। इस पर बड़ा विवाद हुआ था। उल्लेखनीय है कि साल 2021 में इतावली भाषा में उनकी आत्मकथा आई थी। उसका टाइटल था। इसलिए अब ने अपनी आवाज पर ट्रेडमार्क लेने का फैसला किया है। ताकि से होने वाली क्लोनिंग से उनकी आवाज की सुरक्षा हो सके।

एआई से डीपफेक बनाना आसान

अब जबकि एआई की पहुंच आम हो गई है, इससे डीपफेक बनाना आसान हो गया है। बताया जाता है कि किसी भी व्यक्ति की तीन सेकंड की असली आवाज से करीब 30 यूरो खर्च कर ऐसा बन जाता है जिसे 70 प्रतिशत मामलों में लोग असली समझ बैठते हैं। इस बात को हृइ ने भी स्वीकार किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीते साल भर में ही आवाज की क्लोनिंग के अपराध तेजी से बढ़े हैं। भारत में देखें तो साल 2024 के लोकसभा चुनावों में व्यापक रूप से फैले थे। तब स्थिति इतनी जटिल हो गई थी कि चुनाव आयोग को अप्रैल 2024 में खिलाफ एडवायजरी जारी कनी पड़ी थी। जॉर्जिया मेलोनी इस समय इटली की प्रधानमंत्री हैं।

हरे निशान पर शेयर बाजार बंद, सेंसेक्स 685 अंक उछला, निफ्टी 220 अंक मजबूत

मुंबई, एजेंसी। मंगलवार को सेंसेक्स-निफ्टी हरे निशान पर बंद हुए। सेंसेक्स 685.34 अंक चढ़कर 73,067.81 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 220.35 अंक की बढ़त के साथ 22,776.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से ट्रेंट का शेयर 11 प्रतिशत से अधिक चढ़ा। कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंटरग्लोब एविएशन के शेयर भी बढ़त में रहे। वहीं टेक महिंद्रा, आईटीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और इन्फोसिस के शेयर में गिरावट रही। एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225 और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल का भाव वायदा कारोबार में 0.16 प्रतिशत बढ़कर 100.5 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को शुद्ध रूप से 4,699.14 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

एक्सिस, आईसीआईसीआई बैंक दे रहा सबसे सस्ता होम लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। हर कोई चाहता है कि उसका अपना मकान हो और वह अपनों के साथ उस घर में रहे। जो लोग किराया देकर किसी फ्लैट में रह रहे हैं, वे भी चाहते हैं कि उनका खुद का फ्लैट हो। इसके लिए लोग काफी पहले से प्लानिंग करते हैं और पैसों की बचत शुरू

कर देते हैं। लेकिन, समय के साथ बढ़ती प्रॉपर्टी की कीमत कई लोगों को आर्थिक रूप से चुनौती देती है। इसको ध्यान में रखते हुए मकान खरीदारों को देश के कई बैंक होम लोन की सुविधा प्रदान करते हैं। इस बीच हम यहां दो बैंकों की बात कर रहे हैं, जो अपने ग्राहकों को 50 लाख रुपये (उदाहरण के लिए) का होम लोन दे रहे हैं। हम कैलकुलेटर से हिसाब करके जानेंगे कि इन दोनों बैंकों में से सबसे सस्ता 50 लाख रुपये का होम लोन कौन दे रहा है। शुरुआत हम इनकी ब्याज दरों से करेंगे।

एक्सिस बैंक होम लोन ब्याज दर कितनी है

एक्सिस बैंक की बात करें तो यह अपने पात्र ग्राहकों को होम लोन की सुविधा देता है। अगर आप नौकरीपेशा वाले हैं तो यह बैंक आपको 8.00 फीसदी की शुरुआती ब्याज दर से होम लोन की सुविधा देता है। एक्सिस बैंक होम लोन की ब्याज दर सालाना 8.00 प्रतिशत से 9.10 प्रतिशत के बीच होती है। यह आपके क्रेडिट स्कोर और पात्रता पर निर्भर करता है कि आपको कितना सस्ता या कितना महंगा होम लोन मिलता है। यह ब्याज दर 5.25 प्रतिशत की रेपो रेट पर आधारित है।

आईसीआईसीआई बैंक होम लोन ब्याज दर कितनी है

अब बात आईसीआईसीआई बैंक के होम लोन और इसकी सालाना ब्याज दर की। यह बैंक नौकरीपेशा वाले लोगों को 8.50 फीसदी की शुरुआती ब्याज दर से होम लोन को ऑफर करता है। वहीं, इस बैंक के होम लोन की ब्याज दर सालाना 8.50 प्रतिशत से 9.65 प्रतिशत के बीच है। यह ब्याज दर 5.25 प्रतिशत की रेपो रेट पर आधारित है। एक्सिस बैंक नौकरीपेशा वाले लोगों को कम से कम कितना से होम लोन ब्याज दर शुरू करता है एक्सिस बैंक नौकरीपेशा वाले लोगों को कम से कम 8 प्रतिशत सालाना ब्याज दर से होम लोन शुरू करता है।

एयरलाइंस इंडस्ट्री में अब डर भीतर से! एयरपोर्ट के अंदरूनी खतरों से निपटने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत

नईदिल्ली, एजेंसी। हवाई जहाज से सफर करने वाले हर यात्री को सुरक्षा जांच के लिए मेटल डिटेक्टर से होकर गुजरना पड़ता है। लेकिन, एयरपोर्ट के सुरक्षित हिस्से में काम करने वाले हजारों कर्मचारियों की जांच उतनी आसान नहीं होती। इनमें बैगेज हैंडलर, केटरर, इंजीनियर, सफाईकर्मी, स्क्रीनर, कस्टम अधिकारी और पायलट तक शामिल हैं। इनमें ज्यादातर ईमानदार होते हैं। फिर भी पिछले दशक में एविएशन की कई गंभीर घटनाओं में अंदर के कर्मचारियों की भूमिका सामने आई है।

2015 में शर्म अल-शेख एयरपोर्ट पर अंदरूनी मदद से विमान में बम पहुंचाया गया, जिससे सभी 224 लोगों की मौत हो गई। उसी साल एयरबस जर्मनविंग्स 9525 के को-पायलट ने अपनी मानसिक बीमारी छिपाकर विमान को आल्प्स पर्वत में गिरा दिया, जिसमें 150 लोग मारे गए। 2016 में मोगादिशू में एक सुरक्षा अधिकारी ने ही एक यात्री को लैपटॉप बम पहुंचाया। जनवरी 2024 से मई 2025 के बीच कई देशों में ड्रग्स, सोने की तस्करी, रिश्वत और एयरपोर्ट कर्मचारियों के संदिग्ध आतंकी संबंधों के मामले दर्ज किए गए।

2019 में इंटरनैशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन ने नियमों में बदलाव कर एयरपोर्ट के सुरक्षित हिस्सों में जाने वाले हर स्टाफ की स्क्रीनिंग और बैकग्राउंड चेक अनिवार्य किया। मकसद है नियमित जांच के जरिये अंदरूनी खतरों को रोकना। इसके लिए ने 'इनसाइडर थ्रेट टूलकिट' भी जारी किया, जिसमें कर्मचारियों की जांच, संदिग्ध

व्यवहार पहचानने, रिपोर्टिंग और सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। लेकिन, समस्या है कि इन सुरक्षा गाइडलाइंस को लागू न करने पर ऑडिट में देशों को कोई अंक नहीं खोना पड़ता। सितंबर 2025 तक केवल 46 प्रतिशत सदस्य देश ही मानकों को 75 प्रतिशत तक प्रभावी ढंग से लागू कर पाए थे, जबकि आइसीएओ का 2027 तक लक्ष्य 65 प्रतिशत है। यह नई बात नहीं है। 2013 में सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम लागू किए गए और 2019 तक इन्हें पूरी तरह अपनाने का लक्ष्य रखा गया। इसके बावजूद आज भी ग्लोबल सेफ्टी-ओवरसाइट का स्तर करीब 69 प्रतिशत है। जनवरी 2025 तक ने सिर्फ छह देशों के सरकारी सुरक्षा कार्यक्रमों का स्वतंत्र मूल्यांकन किया था। कर्मचारी बिना झिझके खतरे की रिपोर्ट करें और मैनेजर जरूरत पड़ने पर रकम खर्च कर कार्रवाई करें, यह असली चुनौती है। दूसरी तरफ, इस साल एविएशन सेक्टर 5.1 अरब से ज्यादा यात्रियों को सफर कराएगा, लेकिन इंटरनैशनल एयर ट्रांसपोर्ट असोसिएशन के मुताबिक इंडस्ट्री का नेट मार्जिन घटकर 2 प्रतिशत रह सकता है। ऐसे में वेतन, स्टाफ, ट्रेनिंग और निगरानी पर कटौती का खतरा बढ़ता है। शेड्यूल्ड कमर्शल उड़ानों के हादसे 2023 के 66 से बढ़कर 2024 में 95 हो गए। मौतों की संख्या भी 72 से बढ़कर 296 पहुंच गई। एक साल के आंकड़ों से कोई रुझान तय नहीं होता, लेकिन रेकॉर्ड ट्रैफिक वाले साल में इन आंकड़ों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यूरोप ने बेहतर बैकग्राउंड चेक अनिवार्य किए हैं, जिन्हें कम से कम हर 12 महीने में दोहराना होता है।

बाजार खुलते ही 12 प्रतिशत उछल गया टाटा की ट्रेंट कंपनी का शेयर, हर शेयर पर निवेशकों को 326 का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप में मचे घमासान के बीच उसकी रिटेल कंपनी ट्रेंट के शेयरों में आज जबरदस्त तेजी आई। बाजार खुलते ही कंपनी का शेयर करीब 12 फीसदी उछल गया। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि 30 सितंबर, 2026 को खत्म हुई तिमाही में उसका ऑपरेशन्स से स्टैंडअलोन रेवेन्यू पिछले साल के मुकाबले 23 प्रतिशत बढ़कर 5,788 करोड़ हो गया। एक साल पहले यह 4,724 करोड़ था।

ट्रेंट का शेयर बीएसई पर पिछले सत्र में 2,575 रुपये पर बंद हुआ था और आज यह

2,800 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में कंपनी का शेयर 2,901.20 रुपये तक उछला। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 3,399.75 रुपये है। डेटा के अनुसार, ट्रेंट के शेयरों में इस साल अब तक 9.95 प्रतिशत की गिरावट आई है और पिछले एक साल में ये 19.64 प्रतिशत गिरे हैं।

टाटा ग्रुप की इस कंपनी का पहली छमाही (॥1) में रेवेन्यू 21 प्रतिशत बढ़कर 11,454 करोड़ हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 9,505 करोड़ था। अन्य ऑपरेटिंग इनकम को छोड़कर, मर्चेंडाइज बिक्री से रेवेन्यू भी में 23 प्रतिशत और 21 प्रतिशत बढ़ा।

तीन 'भाई', तीनों तबाही... 15 रुपये की चाय से खड़ा किया 100 करोड़ का बिजनेस, आज 650+ आउटलेट

नई दिल्ली, एजेंसी। जब लड़कों की दोस्ती कहीं ज्यादा बढ़ जाए, तो उनके बीच भाई जैसा रिश्ता बन जाता है। ऐसा ही हुआ इंदौर के तीन दोस्तों के साथ। दरअसल, भारत में चाय सिर्फ एक पेय नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है। इसी आम चाय को कारोबार का आइडिया बनाकर इंदौर के तीन दोस्तों ने ऐसा बिजनेस खड़ा कर दिया, जिसके आज दुनियाभर में 650 से ज्यादा आउटलेट हैं। कभी सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे इन दोस्तों ने 3 लाख रुपये से शुरुआत की थी और आज उनका ब्रांड करीब 100 करोड़ रुपये की कमाई करता है।

इस कहानी की शुरुआत अनुभव दुबे और आनंद नायक से हुई। दोनों दोस्त सिविल सर्विस परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। बाद में उन्होंने नौकरी की तैयारी के बजाय अपना कारोबार शुरू करने का फैसला किया। इसके बाद राहुल पाटीदार भी इस सफर में शामिल हुए।

तीनों ने साल 2016 में इंदौर में चाय सुट्टा बार का पहला आउटलेट शुरू किया। कारोबार शुरू करने के लिए करीब 3 लाख रुपये का निवेश किया गया था।

चाय का कारोबार शुरू करने से पहले तीनों दोस्त सेकेंड हैंड मोबाइल फोन बेचने का काम करते थे। बाद में उन्होंने साथ मिलकर कोई ऐसा बिजनेस शुरू करने का फैसला किया, जिसे बड़े स्तर पर ले जाया

जा सके। उन्होंने चाय को अपने कारोबार का आधार बनाया। उनका मकसद कम कीमत में चाय और खाने-पीने की चीजें उपलब्ध कराना था। साथ ही ब्रांड में भारतीय संस्कृति की झलक भी रखने की कोशिश की गई।

कुल्हड़ वाली चाय बनी पहचान: चाय सुट्टा बार की शुरुआती पहचान कुल्हड़ वाली चाय से बनी। पारंपरिक मिट्टी के कुल्हड़ में चाय परोसने के आइडिया ने ग्राहकों को आकर्षित किया। बाद में मेन्यू में कई तरह की चाय शामिल की गईं। इसमें तुलसी, अदरक, चॉकलेट और केसर जैसी चाय शामिल हैं। चाय के अलावा आउटलेट्स पर पास्ता, बर्गर और नूडल्स जैसे फूड आइटम भी मिलते हैं।

ब्रांड के नाम में 'सुट्टा' शब्द जरूर है, लेकिन इसके कैफे के अंदर स्मोकिंग की अनुमति नहीं है।

कंपनी ने अपने आउटलेट्स को खाने-पीने और दोस्तों के साथ समय बिताने वाली जगह के तौर पर विकसित किया। ब्रांड ने शुरुआत से ही किफायती कीमतों पर फोकस किया। एक कप चाय की कीमत करीब 15 रुपये रखी गई, जबकि कॉफी की शुरुआत 20 रुपये से होती है। कोल्ड कॉफी और शेक्स की कीमत 70 रुपये या उससे अधिक है। कम कीमत और बड़े स्तर पर विस्तार के लिए कंपनी ने फ्रेंचाइजी मॉडल अपनाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फ्रेंचाइजी लेने वालों को आउटलेट शुरू करने से पहले करीब 15 दिन की ट्रेनिंग दी जाती है। साल 2016 में इंदौर से शुरू हुआ यह ब्रांड अब 650 से ज्यादा आउटलेट तक पहुंच चुका है। कंपनी ने भारत के बाहर भी विस्तार किया है। ब्रांड ने कनाडा में भी एंट्री की है। इसके अलावा नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात यानी श्व में भी इसके आउटलेट मौजूद हैं।

उत्तर रेलवे

"अम्बाला मंडल, उत्तर रेलवे में एन.एस. जी -5 श्रेणी के स्टेशनों पर "स्टेशन टिकट बुकिंग एजेन्ट" को तीन वर्ष के लिये अधिकृत करने के लिए निविदाएं आमंत्रित करना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा मोहरबंद निविदायें इछुक उम्मीदवारों से स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट की नियुक्ति हेतु 03 वर्षों की अवधि के लिए आमंत्रित किये जाते हैं।

1	NIT संख्या एवं दिनाक	C-37/BKG/STBA/Policy/Pt.11/2021 dt 05/10/2026
2	रेलवे की वेबसाइट	www.nr.indianrailways.gov.in
3	निविदा पत्र डाउनलोड करने की प्रारंभिक तिथि	05.10.2026
4	निविदा पत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	28.10.2026 को 14:00 बजे तक
5	निविदा पत्र जमा करने की तिथि एवं स्थान	28.10.2026 को 10:00 बजे से 15:00 बजे तक
6	निविदा पत्र खुलने की तिथि एवं स्थान	28.10.2026 को 15:30 बजे (O/o प्रवर मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, अम्बाला छावनी, हरियाणा - 133031)
7	स्टेशन के नाम एवं ड्यूटी का समय	स्टेशन का नाम एवं श्रेणी — Duty timing; संगरूर (NSG-5) — 08:00 to 20:00; नाभा (NSG-5) — 06:00 to 22:00; दौलतपुर चौक (NSG-5) — 06:00 to 22:00; बरनाला (NSG-5) — 06:00 to 22:00
8	निविदा पत्र का मूल्य (गैर वापसी)	रु. 1000/- पर + 18% जीएसटी सहित कुल रु. 1180/- की डिमांड ड्राफ्ट, जो सीनियर डिविजनल फाइनेंस मैनेजर, नॉर्दर्न रेलवे, अंबाला कैंट के पक्ष में देय हो। नोटः- डीडी क्रेता (Purchaser) का नाम और STBA के लिए आवेदन करने वाले आवेदक का नाम एक ही होना चाहिए। किसी अन्य व्यक्ति के खाते से जमा की गई डीडी के कारण आवेदन अस्वीकृत कर दिया जाएगा।
9	ध्यान धरोहर राशि (वापसी योग्य)	NSG-5 स्टेशन के लिए रु. 5000/- जो सीनियर डिविजनल फाइनेंस मैनेजर, नॉर्दर्न रेलवे, अंबाला कैंट के पक्ष में देय डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा किए जाएँ। नोटः- डीडी क्रेता (Purchaser) का नाम और STBA के लिए आवेदन करने वाले आवेदक का नाम एक ही होना चाहिए। किसी अन्य व्यक्ति के खाते से जमा की गई डीडी के कारण आवेदन अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

C-37/BKG/STBA/Policy/Pt.11/2021 दिनांक :- 05/10/2026

For वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक
उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी

3450/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मिट्टी के टीलों के नीचे दबा ये 2000 साल पुराना शहर

दुनिया में कई अजीबों-गरीब चीजें सामने आती हैं, जिसके बारे में हम अनजान रहते हैं। इन अजब-गजब की चीजों में एक ऐसा शहर है, जो लगभग 2000 साल पुराना है। इस शहर को हाल ही में खोजा गया है, जो अमेजन रेनफॉरेस्ट में एक खोया हुआ था। यह शहर अमेजन की जंगलों की गहराई में छिपा हुआ था, जो अमेजन की जंगलों के पहाड़ों के पास स्थित है। कहा जाता है कि इस पुराने शहर में एक समय में लगभग 10 हजार लोगों का घर था, जहां करीब 1000 साल तक लोग रहे हैं।

कई चीजों का मिला है अस्तित्व

2000 साल पुराने शहर से पुरातत्विदों को कई चीजों के अवशेष प्राप्त हुए हैं। पुरातत्विदों के मुताबिक, इस शहर में एक समय में चौड़ी-चौड़ी सड़कें, दुकानें, खेज और नहरें हुआ करती थीं। लेजर सेंसर टेक्नोलॉजी के माध्यम से एंडीज की तलहटी के नीचे सदियों से पड़े मिट्टी के टीलों से शहर के सड़कों के नेटवर्क का खुलासा हुआ है। यहां की कई सड़कें बिल्कुल सीधी थी। इतना ही नहीं, इस पुराने शहर में जल निकासी वाले गड्ढों और कृषि क्षेत्र भी प्राप्त हुए हैं। शहर की सबसे चौड़ी सड़क लगभग 33 फीट की बताई जा रही है। यह सड़क लगभग 10 से 19 किमी तक जाती है। रिसर्च कर्ताओं के अनुसार, इस शहर में लगभग 10 हजार लोगों का घर था।

रहते थे 15 से 30 हजार लोग

रिसर्च में खुलासा हुआ है कि इस शहर में लगभग 15 से 30 हजार लोग भी रहते थे। ऐसे में यह संख्या रोमन-युग के लंदन के बराबर बताई जा रही है।

टीलों के नीचे दबा था ये शहर

बताया जा रहा है कि अमेजन में छिपा यह शहर टीलों के नीचे दवा हुआ था। इसके बाद यूरोपीय लोग दक्षिण अमेरिका पहुंचे। बताया जा रहा है कि इस शहर के बारे में लगभग 20 साल पहले पहली बार पता चला है। इस क्षेत्र में मिट्टी के टीले देखे थे। लोगों को इस बात का यकीन नहीं हो रहा है कि शहर इतना प्राचीन है। फिलहाल इस पर अभी भी खोज जारी है।

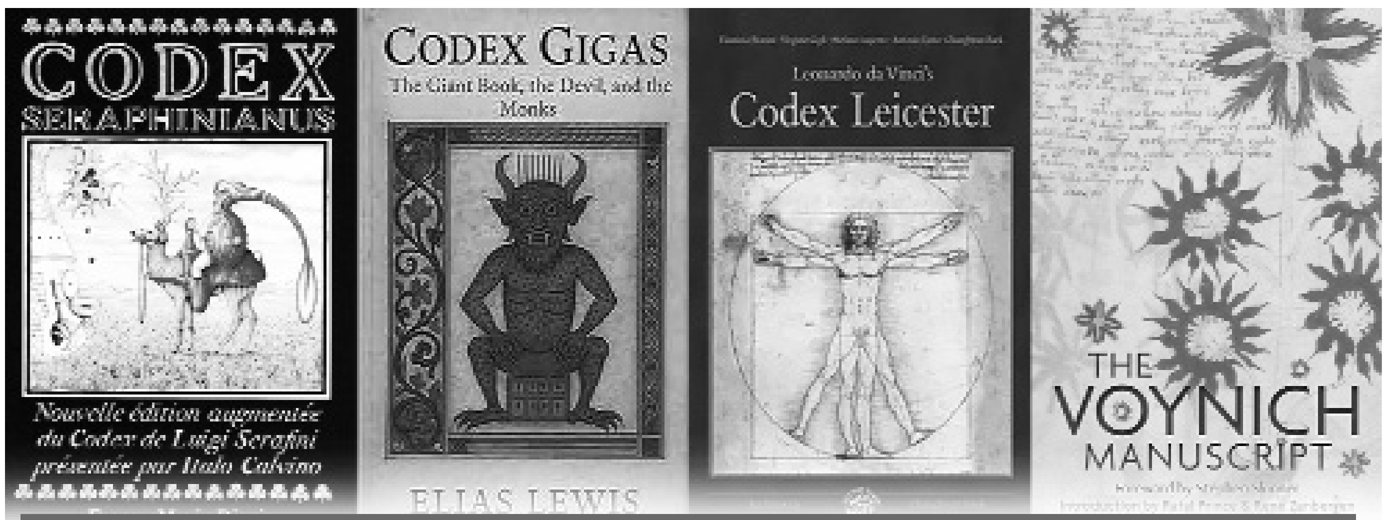

दुनिया की अनोखी किताबें

क्या है 'शैतान की बाइबिल'

दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे छोटी पुस्तक

किताबें ज्ञान का भंडार होती हैं। इनमें मनुष्य की कल्पना, अनुभव, इतिहास, विज्ञान, भावनाएं और भविष्य के सपने समाए होते हैं। किताबें सिर्फ शब्दों का संकलन नहीं, बल्कि सभ्यता की स्मृति और संस्कृति की संवाहक भी होती हैं। ये हमें न सिर्फ सूचनाएं देती हैं, बल्कि सोचने, समझने और महसूस करने की शक्ति भी प्रदान करती हैं। चाहे वो किसी वैज्ञानिक का शोध हो, किसी कवि की कल्पना, किसी दार्शनिक का चिंतन या फिर किसी कलाकार की रचनात्मक उड़ान..हर पुस्तक अपने भीतर एक नई दुनिया समेटे होती है। कुछ किताबें हमारे भीतर प्रश्न पैदा करती हैं, कुछ उत्तर देती हैं, और कुछ जीवन की दिशा ही बदल देती हैं। दुनिया में कुछ किताबें अपनी अनोखी विशेषताओं, रहस्यमयी सामग्री या असाधारण रचना के कारण प्रसिद्ध हैं। आज हम आपके लिए ऐसी ही कुछ अनोखी किताबों की जानकारी लेकर आए हैं।

कोडेक्स सेराफिनियानस

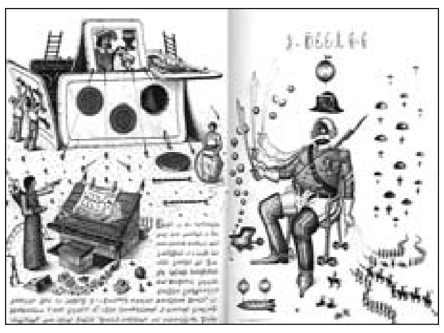

इसे लिखा है लुइगी सेराफिनी ने। 1976-78 के बीच लिखी गई यह किताब एक काल्पनिक दुनिया की झलक पेश करती है। इसमें रंग-बिरंगे, विचित्र चित्र हैं..जैसे पौधे जो किताबें उगाते हैं, उड़ने वाली मछलियां और इंसान-मशीन का मिश्रण। इसकी लिपि को 'सेराफिनी स्क्रिप्ट' कहा जाता है, जो पूरी तरह अज्ञात और डिकोड न होने वाली है। इसे कुछ लोग कला का नमूना मानते हैं, तो कुछ इसे एलियन सभ्यता का दस्तावेज कहते हैं। इसकी सीमित छपाई के कारण यह बहुत दुर्लभ और महंगी है।

वोइनिच पांडुलिपि

इसके लेखक अज्ञात हैं। ये 240 पन्नों की 15वीं सदी की अज्ञात लिपि में लिखी गई किताब है, जिसे आज तक कोई समझ नहीं पाया। इसमें पौधों, खगोलीय चित्रों और मानव आकृतियों के विस्तृत रेखाचित्र हैं जो किसी अज्ञात सभ्यता या कोड में लिखे प्रतीत होते हैं। यह दुनिया के सबसे बड़े रहस्यों में से एक मानी जाती है।

कोडेक्स गिगास

कोडेक्स गिगास को जिसे 'शैतान की बाइबिल' भी कहा जाता है। ये 13वीं सदी की एक विशाल पांडुलिपि है, जिसका वजन 75 किलो और लंबाई 36 इंच है। इसमें बाइबिल, ऐतिहासिक और चिकित्सा ग्रंथ शामिल हैं..साथ ही शैतान की एक विशाल तस्वीर भी है। एक किंवदंती के अनुसार, इसे एक भिक्षु ने एक रात में शैतान की मदद से लिखा था। यह स्वीडन की रॉयल लाइब्रेरी में रखी गई है और दुनिया की सबसे रहस्यमयी किताबों में से एक है।

द कोडेक्स लेस्टर

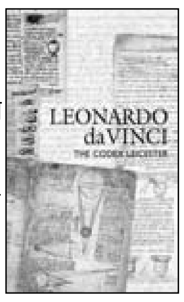

लियोनार्डो द विंची द्वारा लिखी गई ये किताब दुनिया की सबसे महंगी किताबों में से एक है। इसे बिल गेट्स ने 1994 में 30.8 मिलियन डॉलर (लगभग 200 करोड़ रुपये) में खरीदा था। 72 पन्नों का यह वैज्ञानिक जर्नल द विंची की हस्तलिपि में है, जिसमें जीवाश्म, पानी की गति और चंद्रमा के प्रकाश जैसे विषयों पर उनके विचार हैं। यह उनकी बुद्धिमता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

दुनिया की सबसे बड़ी किताब

दुनिया की सबसे बड़ी हस्तनिर्मित पुस्तक को हंगरी के छोटे से गॉंव Szinpetri में बनाया गया था। इस पुस्तक का नाम है Our Fragile Natural Heritage और इसे बेला वर्गा और उनके बेटे गाबोर वर्गा ने मिलकर तैयार किया था। इसका वजन 1420 किलोग्राम है और इसके एक पन्ने को पलटने के लिए छह लोगों की जरूरत होती है। इसमें भूभाग, वातावरण और गुफाओं की जानकारी है। यह लकड़ी की मेज और गाय के चमड़े से बनी है, जो इसे विशाल और अनोखा बनाती है।

दुनिया की सबसे मोटी किताब

अगाथा क्रिस्टी द्वारा लिखी गई किताब दुनिया की सबसे मोटी किताबों में से एक है। इसका वजन 8 किलोग्राम और 4032 पन्ने हैं। यह रहस्यमयी कहानियों का संग्रह है, जो इसे रोचक और अनोखा बनाता है। इसमें मिस मार्पल एक बुजुर्ग महिला जासूस है, जो इंग्लैंड के एक छोटे से गांव सेंट मैरी मीड में रहती हैं और जटिल केस सुलझाती हैं।

दुनिया की सबसे छोटी किताब

जापान की टोप्पन प्रिंटिंग कंपनी ने 2012 में Shiki no Kusabana (Seasons of Flowers) नाम की एक किताब बनाई, जिसका आकार 0.75 मिमी × 0.75 मिमी है। इसे माइक्रोस्कोप से पढ़ा जाता है और इसमें फूलों के चित्र और जापानी पाठ हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इसे दुनिया की सबसे छोटी किताब के रूप में मान्यता दी है।

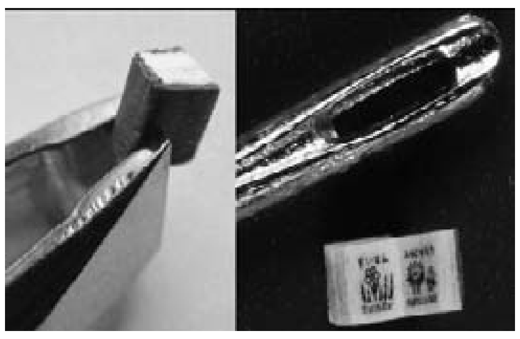

क्यों मनाया जाता है राष्ट्रीय डाक दिवस और इसका ऐतिहासिक महत्व

भारत में हर साल 10 अक्टूबर को राष्ट्रीय डाक दिवस मनाया जाता है, जो भारतीय डाक सेवा की स्थापना की वर्षगांठ है। इसी दिन 1954 में भारतीय डाक सेवा की शुरुआत हुई थी और इसलिए इसे राष्ट्रीय डाक दिवस के रूप में चुना गया। यह अवसर देश में डाक सेवाओं संचार और वाणिज्य में उनके योगदान का सम्मान करता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य डाक सेवा की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है और लोगों को उनकी सेवाओं के बारे में जागरूक करना है। आपको बता दें, भारतीय डाक सेवा न केवल पत्रों और पार्सलों की डिलीवरी करती है। बल्कि वित्तीय सेवाएं सरकारी सेवाएं और विभिन्न प्रकार की सुविधा भी प्रदान करती हैं। डाक सेवा ही केवल एक माध्यम हुआ करता था। जब ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोग एक दूसरे से जुड़ पाए थे। एक दूसरे की बातों को समझ पाए थे और अपनी बात को दूसरे लोगों तक पहुंचा पाते थे।

राष्ट्रीय डाक दिवस का इतिहास

अगर भारतीय डाक सेवा के इतिहास के बारे में बात करें तो भारतीय डाक सेवा की स्थापना 10 अक्टूबर 1954 को शुरू हुई थी। जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने पहली बार भारत में डाक सेवा शुरू की थी। इस ऐतिहासिक घटना की उपलक्ष में हर साल 10 अक्टूबर को भारतीय डाक सेवा सेलिब्रेट किया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य डाक सेवा के महत्व को उजागर करते हुए लोगों में इसकी भूमिका को स्वीकार करना है। भारतीय डाक सेवा विभाग ने वर्षों से देश के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह सेवा केवल पत्रों और पार्सल के वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वित्तीय सेवाएं बीमा और अन्य सुविधाएं भी प्रदान करती हैं। डाक सेवा की मदद से ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के हर कोने में विकास और समृद्धि का संचार हुआ है।

राष्ट्रीय डाक सप्ताह

राष्ट्रीय डाक सप्ताह का आयोजन हर साल लोगों को भारतीय डाक विभाग के योगदान से अवगत कराने के लिए किया जाता है। इस सप्ताह का प्रत्येक दिन एक विशेष विषय को समर्पित होता है। 10 अक्टूबर को राष्ट्रीय डाक दिवस मनाया जाता है, इसके बाद 11 अक्टूबर को पीएलआई दिवस मनाया जाता है, 12 अक्टूबर को डाक टिकट संग्रह दिवस मनाया जाता है, 13 अक्टूबर को व्यापार दिवस मनाया जाता है, 14 अक्टूबर को बीमा दिवस मनाया जाता है और अंत में 15 अक्टूबर को मेल दिवस मनाया जाता है। इस दौरान राष्ट्र डाक दिवस पर ग्राहकों को डाक बचत योजना और अन्य सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाती है। जिससे विभिन्न योजनाओं के लाभ उठा सके। इस सप्ताह का उद्देश्य लोगों को डाक सेवाओं के महत्व से परिचित कराना है। उनके जीवन में इसके योगदान को उजागर करना।

ये है 300 साल पुरानी चट्टान, लोगों के बीच बना है रहस्य

दुनिया में कई ऐसी अजीबों-गरीब चीजें हैं, जिसके बारे में काफी कम लोगों को पता होती हैं। इन अजीबों-गरीब चीजों में एक ऐसी चट्टान है, जो कुछ सालों नहीं बल्कि 300 साल पुरानी है। आश्चर्य की बात यह है कि इसे एक रहस्यमयी चट्टान के रूप में जाना जाता है, क्योंकि इसकी तरह तरह पर अजीब-अजीब सी आकृतियां बनी हैं। इस चट्टान को डाइटन रॉक के नाम से जाना जाता है। करीब 300 साल पुराना यह चट्टान कई लोगों को हैरानी में डालता है।

आखिर कैसे बनी चट्टान पर अजीबो-गरीब आकृति?

चट्टान पर बनी आकृतियां पेट्रोग्लिफ हैं, इन आकृतियों को बनाने के लिए सीधी रेखाओं और जियोमेट्रीकल आकृतियों का प्रयोग होता है। ऐसे में ये सोचने वाली बात है कि इस तरह की आकृति इस चट्टान पर किसने बनाई। वहीं, इस चट्टान पर बनी आकृति का मतलब क्या है, इस बारे में आज भी तलाश चल रही है। जिसे आजतक कोई सुलझा नहीं पाया पाया है।

कहां है डाइटन रॉक?

मीडिया में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, डाइटन रॉक अमेरिका के मैसाचुसेट्स राज्य के बर्कले टाउन में स्थित एक म्यूजियम है। यहां इस चट्टान को सुरक्षित तरीके से रखा गया है। डाइटन रॉक को अमेरिका की टॉनटन नदी के तल से सन् 1963 में निकालकर म्यूजियम में स्थापित किया गया है। इस चट्टान का नाम 'डाइटन' शहर के नाम पर रखा गया है, क्योंकि यह चट्टान उसी शहर में पाया गया है। विद्वानों का कहना है कि चट्टान की सतह पर बनी आकृतियां 17वीं शताब्दी से बनी हैं। लेकिन इसपर बनी आकृति का क्या अर्थ है, इस बारे में अभी भी लोगों में संदेह है।

कैसे आकार की है डाइटन रॉक?

डाइटन चट्टान ग्रे ब्राउन के बलुआ पर्थर से बना है, जो लगभग 5 फीट ऊंचा और 9.5 फीट चौड़ा है। इस चट्टान के छड किनारों में से पेट्रेग्लिफ आकृतियां बनी है। इस चट्टान का वजन लगभग 40 टन बताया जा रहा है।

डाइटन रॉक के पीछे का क्या है रहस्य?

इस चट्टान पर बनी आकृति दुनियाभर के लोगों के सामने एक रहस्य बना है। क्योंकि इसपर बनी हुई पेट्रोग्लिफ्स आकृतियों का क्या अर्थ है और इसे क्यों और किसने बनाया है, इस बारे में अबतक कोई नहीं जानता है। कई एक्सपर्ट के इस गुत्थी को सुलझाने की कोशिश की है, लेकिन फिर भी अबतक ये गुत्थी सुलझ नहीं पाई है। हालांकि, पेट्रोग्लिफ्स आकृति की उत्पत्ति की कई थ्योरीज सामने आईं हैं। 19वीं सदी में डेनिश इतिहासकार कार्ल क्रिश्चियन रफ़न का कहना है कि इन आकृतियों को नक्काशी वाइकिंग्स द्वारा बनाई गई थी। वहीं, अलग-अलग एक्सपर्ट इसपर अलग-अलग बातें करते हैं।

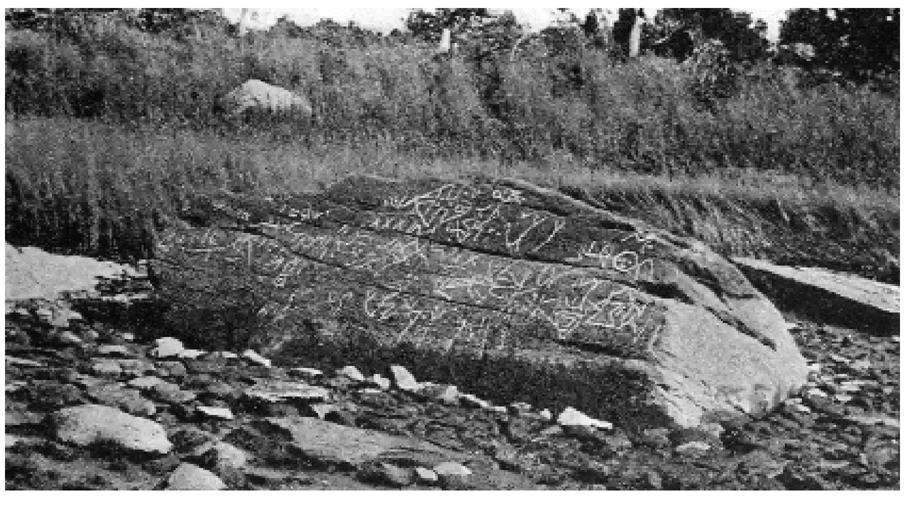

संक्षिप्त समाचार

हांगकांग सिक्स

भारत की 7 सदस्यीय टीम घोषित, भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे कमान

हांगकांग । हांगकांग सिक्स 2026 के लिए भारतीय टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के स्टार खिलाड़ियों के साथ उतरेगी। इसमें सात प्रमुख भारतीय क्रिकेटर 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक खेले जाने वाले तेजतर्रार 'सिक्स-ए-साइड' (छह खिलाड़ियों वाले) फॉर्मेट में हिस्सा लेंगे। टिन क्वांग

रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर खेले जाने वाली इस लीग में भारतीय टीम की कमान अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे। उनके साथ आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी क्रुणाल पांड्या, शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नितिश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन भी होंगे। भुवनेश्वर के पास अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल का कई वर्षों का अनुभव है और वे नई गेंद से असरदार प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं, जबकि क्रुणाल एक बेहतरीन ऑलराउंडर के तौर पर टीम को विविधता देते हैं।

नीली जर्सी का दबाव बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर देता है: प्रियांश आर्य

नई दिल्ली । युवा सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने मंगलवार से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाले वनडे मैचों की तैयारी के दौरान इंडिया ए के साथ अपने समय को याद किया। उन्होंने इंडिया 'ए' के लिए खेलने का अनुभव मजेदार बताया। उन्होंने कहा कि दबाव में शानदार प्रदर्शन का अवसर भी होता है। प्रियांश ने पिछले साल कानपुर में

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 101 रन बनाए थे और लिस्ट ए क्रिकेट में उनके नाम पाँच और अर्धशतक हैं। आर्य ने दिल्ली में मीडिया से कहा, 'इंडिया ए के लिए खेलना बहुत मजेदार है। नीली जर्सी पहनना गर्व की बात है। मुझे पिछले साल इंडिया ए के लिए सेंचुरी बनाकर बहुत अच्छा लगा। जब आप किसी भी स्तर पर देश के लिए खेलते हैं तो आप पर थोड़ा दबाव होता है।

यूथ टेस्ट

तन्मय ने सिर्फ 32 रन देकर झटके 6 विकेट, ऑस्ट्रेलियाई पारी 174 रन पर ढेर

अहमदाबाद। भारत और ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीमों के बीच सोमवार से टेस्ट सीरीज के दूसरे और अंतिम अनौपचारिक मैच की शुरुआत हो गई है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जारी इस मुकाबले के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया को 174 रन पर समेटने के बाद

भारत ने 2 विकेट खोकर 38 रन बना लिए हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में 73 ओवरों का सामना कर सकी। इस टीम ने महज 7 के स्कोर पर कप्तान मैथ्यू लॉफ (5) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद नील पटेल ने मोर्चा संभाला। नील ने हेडन बारबुलोविक के साथ दूसरे विकेट के लिए 21 रन, जबकि एली ब्रेन के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 रन जोड़कर टीम को 50 के स्कोर तक पहुंचाया। हेडन ने टीम के खाते में 8 रन का योगदान दिया, जबकि एली 4 रन बनाकर आउट हुए।

हरमन ने छोड़ी कप्तानी

कहा—बतौर खिलाड़ी सफर जारी रहेगा

नई दिल्ली । अपनी कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को वनडे विश्व कप 2025 का चैंपियन बनाने वाली हरमनप्रीत कौर ने कप्तानी छोड़ दी है। मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक लंबे पोस्ट के माध्यम से हरमन ने टीम की कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया। बतौर खिलाड़ी वह उपलब्ध रहेंगी। हरमनप्रीत कौर ने कप्तानी छोड़ने का फैसला उपकप्तान स्मृति मंधाना, हेड कोच अमोल मजूमदार और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के साथ हुई बैठक के बाद लिया। स्मृति मंधाना तीनों फॉर्मेट में हरमनप्रीत की जगह महिला टीम की नई कप्तान बन सकती हैं। हरमनप्रीत ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'आज, मैं सभी फॉर्मेट में इंडियन विमेंस क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ रही हूं। यह कोई आसान फैसला नहीं है। इसमें वर्षों की यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल हैं, जो मेरी बाकी जिंदगी मेरे साथ रहेंगे।'

उन्होंने लिखा, 'मैंने इस टीम और इंडियन विमेंस क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया है – अपना खून, अपना पसीना, अपना समय, और कई बार, अपने खेल और पर्सनल एम्बिशन का एक हिस्सा। ऐसे पल भी आए, जब मुझे अपने निजी प्रदर्शन, अपना विकास और अपने लिए जो मैं चाहती थी, उसे एक तरफ रखना पड़ा, क्योंकि मेरा मानना था कि टीम को पहले रखना चाहिए।'

हरमन ने लिखा, 'एक कप्तान के तौर पर, मुझे मुश्किल फैसले लेने पड़े हैं। ऐसे फैसले जो हमेशा समझ में नहीं आते थे, हमेशा आसान नहीं होते थे, और कभी-कभी पर्सनल कीमत चुकानी पड़ती थी। लेकिन मैंने जो भी फैसला लिया, उसका मकसद– इस टीम को बेहतर बनाना और दूसरे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने, खुद पर विश्वास करने और खुद का बेस्ट वर्जन बनने का मौका देना था।' दिग्गज खिलाड़ी ने लिखा, 'मैंने सब कुछ देखा है। मैंने सबसे बुरे पल, दिल टूटना, बुराई, शक और वे दिन देखे हैं, जब कुछ भी हमारे हिसाब से नहीं होता था। और मैंने सबसे ऊँचे मुकाम भी देखे हैं–जीत, जश्न, अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का गर्व, और वे पल जब हर कुर्बानी सार्थक लगी। आज मैं भावनाओं से भरे दिल के साथ, लेकिन शांति के साथ कप्तानी छोड़ रही हूं।'

उन्होंने लिखा, 'मुझे सच में विश्वास है कि मेरी टीम अच्छी जगह पर है। एक ऐसी टीम, जिसमें टैलेंट, कैरेक्टर, विश्वास और भविष्य है, जिसे देखने और जिसका हिस्सा बनने के लिए मैं बहुत उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मैंने अपना फर्ज निभाया है। मैंने इस टीम को अपना सब कुछ दिया।

विश्व कप, एशियन गेम्स गोल्ड, एशिया कप, कॉमनवेल्थ

हरमनप्रीत की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम ने देखा सफलता का ऐतिहासिक दौर

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम के इतिहास के एक स्वर्णिम अध्याय का मंगलवार को अंत हो गया। अपनी कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सफलता की नई ऊंचाई पर पहुंचाने वाली हरमनप्रीत कौर ने अपना पद छोड़ दिया है। 37 साल की हरमन ने सोशल मीडिया पर महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ने की घोषणा की। बतौर खिलाड़ी वह सक्रिय रहेंगी। हरमनप्रीत कौर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सफलतम कप्तान हैं। हरमनप्रीत के कप्तान बनने से पहले भारतीय टीम देश में विदेश में बड़ी टीमों को चुनौती तो देती, लेकिन जीत से दूर रह जाती थी। 2016 में पूर्णकालिक कप्तान बनने के बाद हरमन ने टीम की दशा और दिशा दोनों बदल दी। अपनी 10 साल की कप्तानी में हरमन ने भारतीय टीम को न सिर्फ अलग-अलग वैश्विक मंचों पर चैंपियन बनाया, बल्कि टीम को एक मजबूत और सशक्त ताकत के रूप में स्थापित किया। 37 साल की हरमनप्रीत 2016 में पूर्णकालिक कप्तान बनीं। उनकी कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने अपना पहला आईसीसी इवेंट (वनडे विश्व कप 2025) जीता था। फाइनल में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराया था। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने 4 बार एशिया कप (2012, 2016, 2022 और 2026) जीता। 2012 में वह अस्थायी कप्तान थीं। हरमन की कप्तानी में भारतीय महिला टीम हांगझोऊ एशियन गेम्स 2023 और आइची-नागोया एशियन गेम्स में लगातार 2 बार गोल्ड मेडल जीता। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारतीय टीम ने हरमन की कप्तानी में ही सिल्वर मेडल जीता था।
हाल ही में लॉर्ड्स में महिलाओं का पहला टेस्ट खेला गया था। हरमन की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने घरेलू टीम इंग्लैंड को हराकर इतिहास रचा था। पिछले 10 वर्ष की अवधि में हरमनप्रीत कौर ने भारतीय टीम को पांच टेस्ट, 51 वनडे और 155 टी20 में लीड किया। हरमनप्रीत कौर के बाद उपकप्तान स्मृति मंधाना तीनों फॉर्मेट में महिला क्रिकेट टीम की नई कप्तान हो सकती हैं।

टीपीएल सीजन 8: बोपन्ना, बुरुचागा, हिजिकाता मार्की लाइन-अप में शामिल

मुंबई । टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और इंटरनेशनल स्टार रोमन बुरुचागा, रिंकी हिजिकाता और टेरेंस एटमाने टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) के आठवें सीजन के मार्की प्लेयर लाइन-अप में शामिल होंगे। नीलामी 12 अक्टूबर को मुंबई में होगी। आठ फ्रेंचाइजी नीलामी में अपने-अपने मार्की प्लेयर्स के आस-पास अपनी टीम बनाएंगी। बोपन्ना, जो गुड़गांव ग्रैंड स्लैमर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे, मार्की लाइन-अप को लीड करेंगे। 46 साल के पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 पुरुष डबल्स में दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। बोपन्ना ने 2017 फ्रेंच ओपन मिक्स्ड डबल्स टाइटल और 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष डबल्स का खिताब जीता है।

पद्मश्री और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित बोपन्ना ने कहा, 'मैं टीपीएल में वापस आने का सच में इंतजार कर रहा हूं। हर साल, लीग और मजबूत होती जा रही है, और मुझे टीम का माहौल और इस फॉर्मेट से मिलने वाली ऊर्जा बहुत पसंद है।'

उन्होंने कहा, 'इस साल, कॉम्पिटिशन बहुत कड़ा होगा, जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों और युवा भारतीय टैलेंट का शानदार मिश्रण होगा। हैदराबाद का टेनिस के साथ हमेशा से एक मजबूत कनेक्शन रहा है, इसलिए मुझे यकीन है कि माहौल इसे और भी खास बना देगा। मैं कॉम्पिटिशन करने, अनुभव का आनंद लेने और कोर्ट पर वापस आने के लिए उत्साहित हूं।'

अर्जेंटीना के रोमन बुरुचागा, जो कोलकाता थंडर ब्लेड्स के लिए खेलेंगे, इंटरनेशनल मार्की टीम के एकल खिलाड़ियों में सबसे ऊंची रैंक वाले खिलाड़ी हैं। 24 साल के इस खिलाड़ी की अभी वर्ल्ड रैंकिंग में 60वीं रैंक है। वह इस साल की शुरुआत में अपने करियर की सबसे ऊंची रैंकिंग 56वें स्थान पर पहुंचे थे।

ऑस्ट्रेलिया के रिंकी हिजिकाता राजस्थान रेंजर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। 25 साल के इस खिलाड़ी ने 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन मेन्स डबल्स टाइटल जीता था और 2025 विंबलडन मेन्स डबल्स फाइनल में पहुंचे थे।

डब्ल्यूटीए टूर: गॉफ ने सन को हराया, झेंग किनवेन

'चाइना ओपन' के 'अंतिम 16' में पहुंचीं

बीजिंग । अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ ने 16 वर्षीय चीनी खिलाड़ी सन जिनरान को 7-5, 6-1 से शिकस्त देकर चाइना ओपन डब्ल्यूटीए टूर इवेंट में लगातार चौथे साल 'राउंड ऑफ 16' में जगह बनाई। दो बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने शानदार खेल दिखाते हुए आखिरी 10 में से 9 गेम अपने नाम किए। गॉफ ने डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर अपने से कम उम्र की खिलाड़ियों के खिलाफ खेले गए 28 मुकाबलों में से 24 जीते हैं। इस दौरान किसी टीनएजर के खिलाफ उन्हें एकमात्र हार 2025 में मॉन्ट्रियल में विक्टोरिया मबोको से मिली थी, जो बाद में चैंपियन बनीं। मुकाबले के बाद गॉफ ने युवा चीनी खिलाड़ी को सराहा। मैच के बाद इंटरव्यू में गॉफ ने कहा, 'मुझे लगता है कि 16 साल की उम्र में मैं जितनी परिपक्व थी, वह उससे कहीं ज्यादा परिपक्व हैं। मुझे लगता है कि मैं उससे थोड़ी ज्यादा परेशान हो गई थी, लेकिन वह एक शानदार खिलाड़ी है। मुझे पता था कि यह मैच मुश्किल होने वाला है। उनका जूनियर करियर बहुत शानदार रहा है। जाहिर है

कि वह इस स्तर पर भी बहुत अच्छा करेगी।'

वहीं, सोमवार को चीन की स्टार झेंग किनवेन ने चेक गणराज्य की 18वीं सीड मैरी बाउजकोवा को 7-6 (3), 4-6, 7-5 से हराकर महिला सिंगल्स के 'राउंड ऑफ 16' में जगह बनाई। झेंग ने मैच का पहला ब्रेक हासिल किया, लेकिन बाउजकोवा ने छठे गेम में ब्रेक प्वाइंट्स जीतकर वापसी की। सेट टाई-ब्रेक तक गया, जहां झेंग ने 7-3 से जीत हासिल की।

बैंगलोर बादशाह को 14 रन से मात देकर कोलकाता वॉरियर्स ने जीता खिताब

तिरुपति। कोलकाता वॉरियर्स ने फाइनल मैच में बैंगलोर बादशाह को 14 रनों से मात देकर 'डेफ इंडियन प्रीमियर लीग 2026' का खिताब जीता। केवीएस स्पोर्ट्स पार्क क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में कोलकाता वॉरियर्स ने 15 ओवरों में 121/5 रन बनाए। इसके बाद बादशाह को 107/9 के स्कोर पर रोककर 14 रनों से मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह चैंपियनशिप 1 से 4 अक्टूबर 2026 तक तिरुपति के केवीएस स्पोर्ट्स पार्क क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित की गई थी। इसने देशभर के मूक-बधिर क्रिकेटर्स को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान किया। इंडियन डेफ क्रिकेट एसोसिएशन (आईडीसीए) के अध्यक्ष सुमित जैन ने टूर्नामेंट के समापन पर खिलाड़ियों, अधिकारियों, भागीदारों और हितधारकों की सराहना की और टूर्नामेंट में उनके योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त किया। टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया।

नेशंस लीग

फ्रांस ने बेल्जियम को 4-1 से हराया, ग्रुप में टॉप पर पहुंची

पेरिस । जिनेदिन जिदान की फ्रांस ने अपने मैराथन इंटरनेशनल ब्रेक का अंत स्टेड डी फ्रांस में बेल्जियम के खिलाफ 4-1 की जीत के साथ किया। जीत के साथ नेशंस लीग ग्रुप में टॉप पर पहुंच गई। फ्रांस ने दूसरे हाफ के 14 मिनट में चार गोल किए और मुकाबले में एक गोल से पिछड़ने के बाद भी 4-1 से बड़ी जीत की। बेल्जियम के लिए डोडी ल्यूकेबाकियो ने पहला गोल करके टीम को बढ़त दिलाई थी।

ब्रेक के बाद जिदान ने अपनी स्टार खिलाड़ियों वाली बेंच का इस्तेमाल किया और अपनी टीम को टॉप गियर में देखा, जब डिजायर डू और रेयान चेर्की ने तेजी से दो गोल करके मैच का रुख बदल दिया। माइकल ओलिस ने फिर देर से दो और गोल किए, जिससे फ्रांस ने ग्रुप ए1 में अपना बिना हारे रहने का रिकॉर्ड बनाए रखा। 35वें मिनट में अपने ही हाफ में मिडफील्ड में अकेले, रोमियो लाविया ने डोडी ल्यूकेबाकियो को एक थ्रू बॉल दी।

फ्रेंच डिफेंस हैरान रह गया, और बेल्जियम के विंगर ने गिलौम रेस्टेस के साथ वन-ऑन-वन मुकाबला किया, जिसने फ्रेंच गोलकीपर के नेट के ऊपरी दाएं कोने में बॉल भेजकर जीत हासिल की। 77वें मिनट में, लुकास दा कुन्हा ने सेंटर में डू को पास दिया। पेरिस के इस खिलाड़ी ने मुड़कर अपने बाएं पैर पर खड़े होकर एक नीचा, एंगल्ड शॉट मारा और साइड नेटिंग में गेंद डाल दी, जबकि उनके सामने बेल्जियम के कई खिलाड़ी थे, जिससे स्कोर 1-1 हो गया।

इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया, क्वार्टर फाइनल की रेस में शामिल

बोलोग्ना । रॉबर्टो मैनसिनी ने इटली के मैनेजर के तौर पर लौटने के बाद घरेलू मैदान पर पहली जीत हासिल की। इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया। इस जीत के साथ इटली नेशंस लीग ग्रुप ए1 में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। जियानलुका स्कामाका के पहले गोल ने इंटरवल में अंतर पैदा किया, लेकिन अराल शिमसिर ने रीस्टार्ट के बाद तुर्किये को बराबरी पर ला दिया। हालांकि, बराबरी ज्यादा देर तक नहीं रही, क्योंकि रिकार्डो कैलाफियोरी ने बेंच से आकर अपनी टीम को फिर से आगे कर

दिया, इससे पहले पियो एस्पोसिटो ने आखिरी स्टेज में जीत पक्की कर दी। कई बार बाहर रहने के बावजूद, तुर्किये के खिलाफ 3-1 की जीत से यह पक्का हो गया है कि इटली को यूरोपियन चैंपियनशिप क्वालीफाइंग ड्रॉ में सीड मिलेगी, और सबसे बढ़कर, नेशंस लीग क्वार्टर फाइनल की दौड़ में बने रहने की कोशिश करेगी। इटली के लिए स्कैमाका ने तीन साल बाद गोल किया था। पहले हाफ में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाने के बाद इटली ने सिमसिर के बराबरी के गोल के बाद जोरदार जवाब दिया।

न्यूज डायरी

चिरायु आयुष्मान भारत योजना का विस्तार

हरियाणा के हर परिवार को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा - स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने प्रदेश के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के संकल्प को दोहराते हुए चिरायु आयुष्मान भारत योजना के व्यापक विस्तार की घोषणा की है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार की इस बड़ी पहल के तहत अब 1.80 लाख से अधिक वार्षिक आय वाले परिवार भी नाममात्र का वार्षिक प्रीमियम देकर इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ उठा सकेंगे। योजना के अंतर्गत पात्रता परिवार पहचान-पत्र में दर्ज सत्यापित वार्षिक आय के आधार पर तय की जाएगी और पात्र परिवारों को प्रदेश के सूचीबद्ध अस्पतालों में प्रति वर्ष 5 लाख तक का निःशुल्क एवं कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

आरती सिंह राव ने बताया कि योजना को पारदर्शी और सुलभ बनाने के लिए आय स्लैब के अनुसार प्रीमियम दरें निर्धारित की गई हैं। इसके तहत 1.80 लाख से 3.00 लाख वार्षिक आय वाले परिवारों के लिए 1,500 प्रति वर्ष, 3.00 लाख से 6.00 लाख आय वर्ग के लिए 4,000 प्रति वर्ष तथा 6.00 लाख से अधिक वार्षिक आय वाले परिवारों के लिए 5,000 प्रति वर्ष का प्रीमियम तय किया गया है।

इस योजना का लाभ उठाने के लिए पंजीकरण एवं भुगतान गेटवे पोर्टल 30 नवंबर, 2026 तक खुला रहेगा, जबकि नई पॉलिसी की अवधि 1 नवंबर, 2026 से 31 अक्टूबर, 2027 तक प्रभावी रहेगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर प्रकाश डालते हुए आरती सिंह राव ने साझा किया कि आयुष्मान भारत हरियाणा स्वास्थ्य सुरक्षा प्राधिकरण (AB-HHPA) के माध्यम से प्रदेश भर के 1,307 सूचीबद्ध अस्पतालों में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और चिरायु योजना के तहत अब तक 40,27,391 लाभार्थियों को सफलतापूर्वक इलाज मुहैया कराया जा चुका है।

यूपीएससी 2027 परीक्षा कार्यक्रम को लेकर हरियाणा सरकार ने डीसी को दिए निर्देश

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वर्ष 2027 के लिए जारी वार्षिक परीक्षा एवं भर्ती परीक्षा कार्यक्रम को लेकर सभी उपायुक्तों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी की ओर से सभी उपायुक्तों को यूपीएससी के वार्षिक कार्यक्रम से अवगत करवाते हुए आयोग की परीक्षाओं एवं भर्ती परीक्षाओं के लिए जरूरी प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध करवाने को कहा गया है।

राज्य सरकार ने हरियाणा लोक सेवा आयोग तथा हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को भी यूपीएससी के वर्ष 2027 के परीक्षा कार्यक्रम का संज्ञान लेने के निर्देश दिए हैं। दोनों आयोगों को अपने स्तर पर वर्ष 2027 में आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं की तिथियां निर्धारित करते समय यूपीएससी के कार्यक्रम को ध्यान में रखने के लिए कहा गया है, ताकि यूपीएससी और राज्य की प्रमुख भर्ती परीक्षाओं की तिथियों में अनावश्यक टकराव न हो। इससे उन अभ्यर्थियों को सुविधा होगी जो संघ लोक सेवा आयोग तथा हरियाणा सरकार की भर्ती परीक्षाओं में समान रूप से भाग लेते हैं।

यूपीएससी के वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2027 का आयोजन 23 मई, 2027 को किया जाएगा। इसके लिए अधिसूचना 13 जनवरी, 2027 को जारी होगी तथा आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 2 फरवरी, 2027 निर्धारित की गई है। इसी दिन भारतीय वन सेवा की प्रारंभिक परीक्षा भी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के माध्यम से आयोजित की जाएगी।

इंजीनियरिंग सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2027 का आयोजन 31 जनवरी, 2027 को होगा तथा मुख्य परीक्षा 18 जून, 2027 को होगी। संयुक्त भू-वैज्ञानिक प्रारंभिक परीक्षा 10 जनवरी को होगी, जबकि मुख्य परीक्षा 19 जून, 2027 से दो दिनों तक आयोजित की जाएगी। भारतीय आर्थिक सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा 18 जून, 2027 से शुरू होकर तीन दिन चलेगी।

एचसीएस अधिकारी कुलभूषण बंसल होंगे हिसार नगर निगम में संयुक्त आयुक्त

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने तुरंत प्रभाव से वर्ष 2019 बैच के एचसीएस अधिकारी श्री कुलभूषण बंसल, जो वर्तमान में नियुक्ति आदेशों की प्रतीक्षा कर रहे थे, को हिसार नगर निगम में संयुक्त आयुक्त नियुक्त किया है।

जल सुरक्षा के लिए चक्रीय जल प्रबंधन जरूरी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर के जैकारंडा हॉल में गुरुजल द्वारा 'अर्बन अड्डा 2026' का आयोजन किया गया। 'जल सुरक्षा के लिए सर्कुलरिटी' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में इस बात पर गहन विचार-विमर्श हुआ कि भारतीय शहर पानी को केवल एक उपयोगिता के बजाय एक चक्रीय संसाधन (सर्कुलर वाटर) के रूप में कैसे प्रबंधित कर सकते हैं, जिससे जल संचयन, कम खपत, अधिक पुनः उपयोग और भूजल रिचार्जिंग को बढ़ावा देकर जल संकट और बाढ़ जैसी स्थितियों से निपटा जा सके।

इस कार्यक्रम के दौरान एचआईआरएमआई (HIRMI) के ईआईसी-सह-प्रधान निदेशक डॉ. सतबीर सिंह कादियान ने देश को अनियंत्रित जल दोहन से चक्रीय जल उपयोग की ओर ले जाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे। उन्होंने कहा कि विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में पानी की स्थिति भिन्न होती है, जैसा कि गुरुग्राम का उदाहरण दर्शाता है जहाँ एक ही वर्ष में शहरी स्थलों पर भूजल स्तर 0.08 मीटर से 2.34 मीटर तक गिर गया। इसलिए नियामक एक ही राष्ट्रव्यापी मॉडल पर निर्भर नहीं रह सकते, बल्कि उन्हें तीन मुख्य संरचनात्मक आयामों पर काम करना होगा।

डॉ. कादियान ने पहला मुद्दा आर्थिक संकेतों और प्रोत्साहनों की री-इंजीनियरिंग का उठाया। उन्होंने बताया कि जब तक ताजा भूजल निकालना सस्ता रहेगा और उपचारित अपशिष्ट जल पर उच्च उपचार व परिवहन लागत का बोझ रहेगा, तब तक चक्रीय जल उपयोग डिफ़ॉल्ट विकल्प नहीं बन पाएगा। इसके लिए वाणिज्यिक व औद्योगिक जल निष्कर्षण पर टैरिफ और भूजल उपकर बढ़ाने की आवश्यकता है। साथ ही, सभी कार्यों के लिए महंगे तृतीयक उपचार मानकों को अनिवार्य करने से बचते हुए 'उद्देश्य के अनुकूल' (Fit-for-Purpose) गुणवत्ता मानकों को अपनाना चाहिए ताकि शहरी हरित क्षेत्रों, निर्माण, अखाद्य फसलों की सिंचाई और झीलों के जीर्णोद्धार में द्वितीयक-उपचारित पानी का उपयोग बढ़ाया जा सके।

हरियाणा में विभागीय परीक्षाएं 16 से 20 नवंबर तक

चंडीगढ़-हरियाणा सरकार ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आगामी विभागीय परीक्षाओं का कार्यक्रम अधिसूचित कर दिया है। विभागीय परीक्षाएं 16 नवंबर से 20 नवंबर, 2026 तक पंचकूला के सेक्टर-12-ए स्थित सार्थक राजकीय एकीकृत वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित की जाएंगी। परीक्षाएं निर्धारित दो सत्रों में आयोजित की जाएंगी। प्रातःकालीन सत्र सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक तथा सायंकालीन सत्र दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। 16 नवंबर को सहायक आयुक्त, अतिरिक्त सहायक आयुक्त, अतिरिक्त सहायक आयुक्त के पद के अभ्यर्थियों तथा तहसीलदारों के लिए क्रिमिनल लॉ प्रथम प्रश्न-पत्र एवं सिविल लॉ की परीक्षा होगी।

बरवाला में सेवा सेतु शिविर में 312 पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने सेवा सेतु शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में की शिरकत

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता ने आज सामुदायिक केंद्र, बरवाला में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित सेवा सेतु शिविर में मुख्यअतिथि के रूप में शिरकत की। शिविर में श्री ज्ञानचंद गुप्ता ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया और आमजन को उपलब्ध करवाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने सामुदायिक केंद्र परिसर में पौधारोपण भी किया।

इस अवसर पर ब्लाक समिति बरवाला के चैयरमेन श्री राजीव राठौड, बरवाला के सरपंच श्री ओम राणा, मंडल अध्यक्ष श्री धमेंद्र, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी श्री विशाल पराशर, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री विशाल सैनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

श्री गुप्ता ने शिविर में पहुंचे नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों का फीडबैक भी लिया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक उनके घर-द्वार के नजदीक पहुंचाने के उद्देश्य से ऐसे शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इससे लोगों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने से राहत मिल रही है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले नागरिकों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई जाए तथा पात्र लाभार्थियों का मौके पर ही पंजीकरण कर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जाएं, ताकि उन्हें बिना अनावश्यक देरी के योजनाओं का लाभ मिल सके।

शिविर की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि वैध परिवार पहचान पत्र (फैमिली आईडी) वाले कुल 312 पात्र लाभार्थियों का सेवा सेतु पोर्टल पर सफलतापूर्वक पंजीकरण किया गया। पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदनों पर मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई की गई।

श्री गुप्ता ने कहा कि सेवा सेतु शिविर सरकार और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम हैं। इन शिविरों के जरिए प्रयास किया जा रहा है कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ त्वरित, पारदर्शी और सरल तरीके से पहुंचाया जाए।

उन्होंने बताया की शिविर में नागरिकों को विभिन्न विभागों की स्वरोजगार, ऋण, अनुदान, सब्सिडी एवं कौशल विकास योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। हरियाणा सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संचालित दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खाते में प्रदान की जाती है।

उन्होंने बताया की हरियाणा अनुसूचित जातियां वित्तीय एवं विकास निगम की ओर से पात्र अनुसूचित जाति परिवारों को कृषि, लघु उद्योग, व्यापार तथा व्यावसायिक गतिविधियों के लिए बैंक टाई-अप के माध्यम से 1.50 लाख रुपये तक ऋण तथा निर्धारित शर्तों के अनुसार सब्सिडी का लाभ दिया जाता है।

हरियाणा की सड़कों की बदलेगी तस्वीर, भविष्य की जरूरत के हिसाब से बनेगी योजना

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के तेजी से बढ़ते विकास के साथ प्रदेश के सड़क तंत्र को भी नई दिशा देने की तैयारी है। बढ़ते यातायात, औद्योगिक विस्तार और बेहतर कनेक्टिविटी की जरूरत को देखते हुए आने वाले वर्षों के लिए सड़कों की क्षमता बढ़ाने और आवागमन को और सुगम बनाने पर जोर दिया जा रहा है। गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर के अंतिम दिन लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर हरियाणा की भावी सड़क योजनाओं को लेकर चर्चा की।

इस दौरान प्रदेश में मार्गों के लेन विस्तार, प्रमुख सड़कों की क्षमता बढ़ाने, बेहतर संपर्क व्यवस्था और सड़क सुरक्षा के आधुनिक मानकों को लेकर विचार-विमर्श हुआ। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि हरियाणा की सड़कें अब वर्तमान जरूरतों के साथ आने वाले समय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की जाएंगी।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने बताया कि प्रदेश में जहां यातायात का दबाव लगातार बढ़ रहा है अथवा आने वाले समय में बढ़ने की संभावना है, ऐसे प्रमुख मार्गों को चिन्हित कर उनकी क्षमता बढ़ाने की दिशा में योजना तैयार की जाएगी। लोक निर्माण विभाग इन मार्गों का अध्ययन कर आवश्यकतानुसार लेन बढ़ाने के लिए सड़क परियोजनाओं के प्रस्ताव तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि सड़क का विस्तार केवल चौड़ाई बढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए। लोगों का सफर आसान हो, समय की बचत हो और आवागमन सुरक्षित व सुविधाजनक बने, इसी सोच के साथ सड़क योजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा।

चर्चा में राष्ट्रीय राजमार्गों पर अपनाए जा रहे सड़क सुरक्षा मानकों और सड़क सुरक्षा परीक्षण की व्यवस्था का भी उल्लेख हुआ। सड़क की बनावट, चौराहों, संकेतक व्यवस्था, पैदल यात्रियों की सुविधा और यातायात के सुचारू संचालन जैसे पहलुओं को सड़क परियोजनाओं की योजना में पहले से शामिल करने पर जोर दिया गया। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि सड़क की रफ्तार के साथ उसकी सुरक्षा और सुविधा भी उतनी ही जरूरी है। प्रदेश में बड़ी सड़क परियोजनाओं की योजना बनाते समय इन सभी पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ा जाएगा।

किसानों के हित में हरियाणा में निर्धारित समय से पहले शुरू की गई धान की खरीद

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए खरीफ सीजन 2026-27 के दौरान धान की खरीद निर्धारित समय से पहले शुरू कर दी है। प्रदेश में धान की खरीद 1 अक्तूबर के बजाय 29 सितंबर से शुरू कर दी गई है। धान खरीद का कार्य 29 सितंबर से 15 नवंबर तक चलेगा।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि भारत सरकार द्वारा इस वर्ष धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य सामान्य धान (कॉमन) के लिए 2441 रुपये प्रति क्विंटल तथा धान (ग्रेड-ए) के लिए 2461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। प्रदेश में धान की खरीद 249 मंडियों/खरीद केंद्रों के माध्यम से की जा रही है।

उन्होंने बताया कि किसानों की सुविधा और खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी मंडियों एवं खरीद केंद्रों को जियो-फेंसिंग सुविधा से युक्त किया गया है। प्रदेश में धान की खरीद खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, हैफेड तथा हरियाणा राज्य भंडारण निगम द्वारा की जा रही है।

हरियाणा में 58 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य:

भारत सरकार द्वारा इस वर्ष हरियाणा के लिए 58 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अलावा 32.5 लाख मीट्रिक टन धान की 10 प्रतिशत ब्रोकन के साथ सीएमआर की डिलीवरी भारतीय खाद्य निगम को करने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है।

5 अक्टूबर तक 7.35 लाख मीट्रिक टन धान की आवक:

सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 5 अक्टूबर तक प्रदेश की मंडियों में लगभग 7.35 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हो चुकी है। खरीद एजेंसियों द्वारा अब तक 2.57 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। खरीदे गए धान के उठान की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। अब तक 27,497 मीट्रिक टन धान का उठान पूरा हो चुका है।

शिकायतों के समाधान की अब होगी बारीकी से निगरानी, एटीआर पर नोडल अधिकारियों को दिए निर्देश

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री के विशेष अधिकारी (शिकायत निवारण) भोपाल सिंह खदरी ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा गत दिनों जन संवाद, सीएम विंडो, एसएमजीटी (सोशल मीडिया ग्रीवेंस ट्रैकर) तथा समाधान शिविरों के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के समाधान की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक के बाद अब सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। इसी कड़ी में आज चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा स्वास्थ्य विभाग से संबंधित नोडल अधिकारियों की बैठक लेते हुए शिकायतों के समाधान को लेकर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट (एटीआर) पर विशेष निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया में केवल कार्रवाई दर्ज करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि संबंधित शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिली है या नहीं।

खदरी ने कहा कि मुख्यमंत्री के पास अपनी शिकायत लेकर आने वाले हर फरियादी की समस्या के समाधान को गंभीरता से लिया जाए। मुख्यमंत्री के पास फरियादी के दस्तावेज इस आशा और विश्वास के साथ भेजे जाते हैं कि उसकी शिकायत पर कार्रवाई होगी।

ऐसे में विभागों के नोडल अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई हो और फरियादी को समाधान मिले।

उन्होंने ये निर्देश सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित शिकायतों की एक्शन टेकन रिपोर्ट की समीक्षा के दौरान दिए। बैठक में 1 मार्च 2026 से प्राप्त कुल 259 शिकायतों की समीक्षा की गई, जिनमें जनसंवाद के माध्यम से प्राप्त 68 तथा सीएम विंडो के माध्यम से प्राप्त 191 शिकायतें शामिल हैं। इस दौरान शिकायतों पर की गई कार्रवाई, लंबित मामलों की स्थिति और उनके समाधान के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी ली गई।

उन्होंने विभागों के नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम विंडो और जनसंवाद के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा की जाए तथा जिन मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है, उनकी एक्शन टेकन रिपोर्ट समय पर अपडेट की जाए। उन्होंने कहा कि शिकायत को केवल एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय भेजने तक कार्रवाई सीमित न रहे, बल्कि उसकी वास्तविक स्थिति और समाधान की भी निगरानी की जाए।

हरियाणा में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर अब नहीं होगी ढिलाई: नेक्स्ट जेन ई-चालान से कार्रवाई होगी समयबद्ध और जवाबदेह

पंचकूला- हरियाणा पुलिस ने यातायात नियमों की पालना, सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नेक्स्ट जेन ई-चालान प्रणाली को प्रदेशभर में लागू कर दिया है। इस तकनीक आधारित व्यवस्था के तहत यातायात उल्लंघनों पर कार्रवाई न केवल अधिक पारदर्शी और डिजिटल होगी, बल्कि चालान जारी होने से लेकर उसके निस्तारण तक पूरी प्रक्रिया समयबद्ध और जवाबदेह रहेगी। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक श्री अजय सिंघल ने पुलिस मुख्यालय, पंचकूला में प्रदेश के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों, पुलिस महानिरीक्षकों, पुलिस अधीक्षकों सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में यातायात प्रबंधन, सड़क सुरक्षा तथा प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की। डीजीपी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि तकनीक आधारित पुलिसिंग को जमीनी स्तर पर प्रभावी परिणामों में बदला जाए और आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बैठक में एडीजीपी श्री विकास अरोड़ा ने प्रदेश में यातायात प्रबंधन और प्रवर्तन को लेकर किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) द्वारा 20 जनवरी 2026 को जारी अधिसूचना के अनुरूप हरियाणा में 16 जून 2026 से नेक्स्ट जेन ई-चालान प्रणाली लागू की गई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सिंगापुर दौरे का तीसरा दिन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के सिंगापुर दौरे के तीसरे दिन मंगलवार को सिंगापुर बिजनेस फोरम के अंतर्गत आयोजित महत्वपूर्ण राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एक दर्जन से अधिक सिंगापुर कंपनियों के प्रतिनिधियों, सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के पदाधिकारियों, उद्योग प्रतिनिधियों, निवेशकों और बिजनेस लीडर्स के साथ विभिन्न क्षेत्रों में निवेश संबंधी विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हरियाणा का लक्ष्य सिंगापुर कंपनियों के सहयोग से सेमीकंडक्टर, ग्रीन एनर्जी, वेयरहाउसिंग और आधारभूत इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में निवेश को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के अलावा पंचकूला, करनाल, हिसार, सोनीपत और रोहतक जैसे शहरों को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCC) तथा टेक्नोलॉजी-लेड बिजनेसेज के अगले ग्रोथ सेंटर्स के रूप में विकसित करना हमारा उद्देश्य है। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए राज्य सरकार ने Data Centre Policy-2026 भी तैयार की है। मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में हरियाणा के पास विशेष एडवांटेज है।

राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगापुर और हरियाणा भले ही भौगोलिक रूप से अलग हों, लेकिन दोनों की सोच और प्राथमिकताएं एक-दूसरे के बहुत करीब हैं। सिंगापुर इनोवेशन, एफिशिएंसी और ग्लोबल कनेक्टिविटी का केंद्र है, जबकि हरियाणा एंटरप्राइज, मैन्युफैक्चरिंग और मार्केट एक्सेस की शक्ति रखता है। इन दोनों क्षमताओं का मेल आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाई दे सकता है।

उन्होंने याद दिलाया कि सिंगापुर की कंपनियों ने भारत में टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स और फाइनेंशियल सर्विसेज में अपनी विशेष पहचान बनाई है। अब उद्देश्य इस मजबूत रिश्ते को हरियाणा और उत्तर भारत में नई निवेश संभावनाओं, टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप और साझा विकास के साथ आगे बढ़ाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे केवल हरियाणा की ताकत बताने नहीं आए हैं, बल्कि उस भविष्य का भागीदार बनाने आए हैं, जिसमें हरियाणा उत्तर भारत के सबसे भरोसेमंद, आधुनिक और तेजी से आगे बढ़ते बिजनेस डेस्टिनेशन में शामिल होगा।

हरियाणा में मृत्यु के कारणों से जुड़ी जानकारी की उपलब्धता व गुणवत्ता को मजबूत करने के लिए रोहतक में वर्बल ऑटोप्सी परियोजना का किया जाएगा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा में मृत्यु के कारणों से जुड़ी जानकारी की उपलब्धता और गुणवत्ता को मजबूत करने के लिए रोहतक जिले में आईसीएमआर-वित्तपोषित वर्बल ऑटोप्सी परियोजना का पायलट परीक्षण करेगा। हरियाणा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से एम्स, नई दिल्ली के नेतृत्व में शुरू की गई इस पहल के तहत रोहतक को पायलट जिले के रूप में चुना गया है। इस परियोजना का उद्देश्य स्वास्थ्य नियोजन और सार्वजनिक स्वास्थ्य निर्णयों को समर्थन देने के लिए मृत्यु के कारणों की अधिक व्यवस्थित जानकारी जुटाना है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव, डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि इस परियोजना के तहत कार्यान्वयन अवधि के दौरान लगभग 5,000 मौतों को शामिल किया जाएगा। इस पहल के तहत स्वास्थ्य प्रणाली के नामित कर्मी पात्र मौतों की पहचान करेंगे और एक निर्धारित मोबाइल-आधारित एप्लिकेशन के माध्यम से वर्बल ऑटोप्सी (मौखिक) साक्षात्कार आयोजित करेंगे। साक्षात्कार के दौरान एकत्र की गई जानकारी की समीक्षा बाद में एक चिकित्सा अधिकारी द्वारा की जाएगी, जो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मृत्यु का कारण तय करेंगे।

उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य मौतों की परिस्थितियों और उनके संभावित कारणों की जानकारी प्रदान करके नियमित मृत्यु रिपोर्टिंग को अधिक प्रभावी बनाना है। मृत्यु के कारणों से जुड़ा अधिक सटीक डेटा स्वास्थ्य अधिकारियों को जिला स्तर पर मृत्यु दर के पैटर्न को समझने में मदद करेगा और साक्ष्य-आधारित योजना एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों के प्राथमिकीकरण को आसान बनाएगा।

उन्होंने कहा कि कार्यान्वयन की अवधि लगभग 8 महीने तय की गई है और इसे रोहतक जिला स्वास्थ्य प्रशासन के समन्वय से मौजूदा स्वास्थ्य प्रणाली के माध्यम से संचालित किया जाएगा। इस अभ्यास में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर और मेडिकल ऑफिसर शामिल होंगे। परियोजना के प्रावधानों के अनुसार, प्रत्येक पूर्ण वर्बल ऑटोप्सी के लिए कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर को 100 रुपये और जानकारी की समीक्षा कर मृत्यु का कारण तय करने के लिए मेडिकल ऑफिसर को 100 रुपये का मानदेय निर्धारित किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के तहत एक डिजिटल वर्क़फ़्लो का पालन किया जाएगा, जिसमें वर्बल ऑटोप्सी साक्षात्कार निर्धारित मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे।

इस अभ्यास में शामिल कर्मियों को कार्यप्रणाली और डिजिटल प्रक्रिया पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

रोमानिया की राजदूत सुश्री सेना लतीफ ने राज्यपाल कटारिया से की शिष्टाचार भेंट

चंडीगढ़: भारत में रोमानिया की राजदूत सुश्री सेना लतीफ ने आज पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया से पंजाब लोक भवन, चंडीगढ़ में शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर भारत और रोमानिया के मैत्रीपूर्ण संबंधों तथा विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग की संभावनाओं पर सार्थक चर्चा हुई।

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार ने कन्या महाविद्यालय सेक्टर -14 का किया निरीक्षण

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती मीना परमार ने आज राजकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, सेक्टर-14 का निरीक्षण किया और छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने महाविद्यालय के हॉस्टल का भी निरीक्षण किया तथा छात्राओं से आवास व्यवस्था, खान-पान, सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से बातचीत की।

निरीक्षण के दौरान महिला आयोग की सदस्य श्रीमती अनुकंपा गर्ग, एडवोकेट पूजा, असिस्टेंट मंजू, कॉलेज प्रिंसिपल अतुल खुल्लर, प्रोफेसर श्रीमती सुशीला, प्रोफेसर श्रीमती शिवानी, हॉस्टल सुपरिटेंडेंट सरला सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

महाविद्यालय के सभागार में छात्राओं को संबोधित करते हुए श्रीमती मीना परमार ने कहा कि हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा इस दिशा में अनेक ठोस कदम उठाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि बेटियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए नए महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों की स्थापना की जा रही है। वहीं, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महिला थानों सहित विभिन्न व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने छात्राओं को उनके अधिकारों, साइबर सुरक्षा, कानूनी सहायता और आत्मनिर्भरता के प्रति भी जागरूक किया।

श्रीमती परमार ने कहा कि हरियाणा राज्य महिला आयोग महिलाओं एवं बच्चों के अधिकारों की रक्षा, उनकी सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। आयोग का प्रयास है कि प्रत्येक महिला और बेटी को सुरक्षित, भयमुक्त एवं सशक्त वातावरण मिले तथा उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों से जुड़े मामलों के प्रभावी समाधान के लिए प्रशासन, पुलिस और शैक्षणिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय बेहद आवश्यक है।

उन्होंने छात्राओं से अपील की कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़े तो वे बिना किसी झिझक के हरियाणा राज्य महिला आयोग से संपर्क करें। उन्होंने छात्राओं को विश्वास दिलाया कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया जाएगा और उनके अधिकारों एवं सुरक्षा के लिए आयोग हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा।